RAJASTHAN FOUNDATION KOLKATA

PRESS RELEASES

RAJASTHAN DIWAS 2007

COVERAGE OF

RAJASTHAN DIWAS 2007

IN

KOLKATA DAILIES

সংবাদ প্রতিদিন

সংবাদ প্রতিদিন, শনিবার ২১ এপ্রিল ২০০৭

রাজস্থানি উৎসব

রাজস্থান বলতেই চোখে ভাসে কাঞ্চি ঘোড়ি, নট-নটনি, টেরাহ-তাল, ভবানি, কালবেলিয়া, বা কুচামারি খেয়াল-এর দৃশ্য। এ ছাড়া রাজস্থানি-খাবার-দাবার বিশেষ করে মৈথি মানগৌরী,

মেওয়া কচুরি, বা ডাল কা হালোয়ার জিভে জল আনা স্বাদ তো যেন আছেই। সম্প্রতি কলকাতায় আয়োজিত রাজস্থানি উৎসবে এই সমস্ত কিছুরই দেখা মিলেছিল। রাজস্থান ফাউন্ডেশন আয়োজিত এই অনুষ্ঠান চলল চারদিন ধরে। এখানে প্রদর্শিত হয়েছিল রাজস্থানি ডিজাইনের ড্রেস, হ্যান্ডিক্রাফটস আইটেম, চুড়ি ইত্যাদি।

বিকেলের প্রতিদিন

১০ এপ্রিল ২০০৭ ◆ মঙ্গলবার ◆ ২৬ চৈত্র ১৪১৩

শহরে এক টুকরো মরুভূমি, কলকাতা যেন মহারানাদের খাস তালুক

কঙ্ক ঘোষদস্তিদার : বালিগঞ্জ লেক। কংক্রিটের জঙ্গল কলকাতার বুকে সবুজ গাছ গাছালিতে ভরা একটি অসাধারণ ল্যান্ডস্কেপ। এখানকার, বেঙ্গল রোয়িং ক্লাবের সদস্যদের বাইচের নৌকাগুলি মনের আনন্দে ভেসে বেড়ায় রবীন্দ্র সরোবরের বুকে। গত ৩০ মার্চ, এই ক্লাবে ঢুকতেই চক্ষু চড়কগাছ। ভোজ বাজিতে বদলে গিয়েছে ক্লাবের পরিবেশ। সব কিছু। সুজলা ক্লাব যেন মরুভূমির রুক্ষ প্রান্তর। বাইচের নৌকার জায়গায় বালিয়াড়িতে মরুভূমির জাহাজ উট। হাঁটু মুড়ে বসে আছে। বালির সমুদ্রে সূর্য ডুবে যাওয়ার পর নাচে গানে মেতে উঠেছে রাজস্থানের কোন ছোট্ট গ্রাম। হাল্কা চাঁদের আলোয় অনুপম স্থাপত্যের রাজস্থানী হাভেলি থেকে ভেসে আসছে গানের সুর। সঙ্গে নাকাড়া, ঢোলক, হারমনিয়াম আর সারেঙ্গীর সুরমূর্ছনা। শুরু হয়েছে সাপুড়ে কালবেলিয়াদের নাচ। যাযাবর কালবেলিয়া জাতির বিশ্বখ্যাত 'কালবেলিয়া ড্যান্স' যেন রং-এর ফোয়ারা। সাপুড়ে বিন-এর ঝিম ধরানো সুরের সঙ্গে নর্তকীদের শরীরী হিল্লোল যেন এক নেশার আগুন। জাঁকজমকের এই রঙিন মেলায় ঘুঙ্গট সরিয়ে রাজস্থানী তরুণীর সলাজ মিঠে আর

কপট কড়া হাসিতে সহেলিদের সঙ্গে রঙ্গরলিয়ায় মেতে ওঠা, সবই যেন নিয়ে যায় রাজা-রানির সেই রূপকথার রাজ্যে। তামাসা জমাতে হাজির ছিল 'কাচ্চি ঘোড়ি' নাচের দল আর নট-নটনির দড়ির উপর হাঁটা 'ট্রাপিজ'। কোথাও আবার 'আলগোজা'-দের বৃন্দ বাদন। জলের অভাব রাজস্থানে চিরকাল। মাথায় হাড়ির উপর হাড়ি সাজিয়ে মহিলাদের জল আনার দৃশ্য, এই রাজ্যের পরিচিত ছবি। পায়ে ঘুঙুর আর মাথায় হাড়ি সাজিয়ে 'টেড়া তাল' নাচ মনে করিয়ে দিল সেই দৃশ্য। মাথায় আগুন নিয়ে রাজস্থানী মহিলার 'ভভানি' নাচে যেন ফুটে উঠল ভারতবর্ষের ইতিহাসের ঘৃণ্য অধ্যায় 'জহর ব্রত'-র করুণ ছবি। এ ছাড়া কুচামারি ঘেয়াল, চকরি ড্যান্স এবং থর অঞ্চলের 'লঙ্গা' গোষ্ঠীর গানের সঙ্গে আদ্যিকালের বাজনার সুর যেন প্রাচীন রাজস্থানের লোক ঐতিহ্যের মধুর ঐকতান। মহারানাদের টুকরো টুকরো রাজত্বকে এক করে ৩০ মার্চ জন্ম হয়েছিল আজকের রাজস্থান স্টেট-এর। রাজ্য সরকারের পর্যটন বিভাগ রাজ্যের পাশাপাশি সারা ভারতবর্ষ জুড়ে পালন করে এই বিশেষ দিনটি। কলকাতার রাজস্থান ফাউন্ডেশন, রাজস্থান সরকারের সহযোগিতায় আয়োজন করেছিল দু'দিন ব্যাপী 'রাজস্থান-ডে সেলিব্রেশন-২০০৭'। নাচ-গানের বিনোদনের আসর ছাড়াও শতাব্দী প্রাচীন পোশাক, পাথরের গয়না এবং হাতের কাজের সরকারি স্টলও ছিল এই মেলায়। রাজস্থান ফেস্টিভ্যাল-এর খাবারের মেনু-তে ছিল মেওয়ার, যোধপুর এবং বিকানীরের জিভে জল আনা বিভিন্ন রকমের আইটেম। বিভিন্ন হোটেলের কুকদের তৈরি করা এই সমস্ত রান্নায় বাঙালি রসনা পেল আসলি রাজস্থানী খাবারের আস্বাদ। রং-বেরং-এর জেল্লায় সাজানো এই মেলা নতুন করে মনে করিয়ে দিল শৌর্যবীর্যের দেশ রাজস্থানের প্রাচীন ঐতিহ্যের গৌরব গাথাকে। একই সঙ্গে কলকাতাবাসীকে নিয়ে গিয়েছিল সেই স্বপ্নের সোনার কেল্লা-র দেশে।

The Statesman

KOLKATA SATURDAY 7 APRIL 2007

Desert SPOON

What happens when Bengal meets Rajasthan? Everyone eats a lot!

THE desert state of Rajasthan is on the wish list of places to visit for almost everyone who has seen the

The chefs are aces at preparing *besan gatta, kadhi pakora, papad ki sabzi, ker sangri*, mutton *rogan josh* and so on. Non-vegetarian items are regulars on the menu too. From Jaiselmer comes *mughlai* chicken, Jodhpur serves delicious *amritsari* fish, Jaipuri pulao is the capital's most capital, Sawai Madhopur's specialty is chicken *birayani* and Chittodgarh is famous for its *tandoori* chicken. While Bikaneri cuisine means *bati masala, maithi mungouri,*

grandeur can be attributed to its princely past, and, of course its exotic, royal cuisine. While the rajahs and maharajahs of Rajasthan are to be acknowledged for the rich meat and fish dishes the state boasts of even today, vegetarian Rajasthani kitchens produce aromatic and tasteful dishes that linger in your memory long after the last burp. Cooked in ghee, or clarified butter, Rajasthani vegetarian dishes are high in both taste and caloric intake. But who cares about calories when the food tastes sooo good!

Scarcity of water and vegetables means large quantities of milk, buttermilk, ghee, pulses, gram flour, and spices galore rule in Rajasthani kitchens. Plants like *ker* and *sangri* are ingredients in some delicious lentil- and bean-based dishes while gram flour is used to make delicacies such as *gatta ki subzi* and *pakodi*.

One of India's most romantic states is also on the route of two of the world's most luxurious trains – Palace on Wheels and Heritage on Wheels.

Sageer Khan, Virma Ram and Paresh Adhikari have been pottering around in the kitchens of the two trains and a restaurant (which specialises in Rajasthani food) for a long time, producing delicious Indian food for the lucky guests. They were here to help with the preparations of the recently-concluded Rajasthan Diwas, organised by Rajasthan Foundation, Kolkata chapter, in town.

...tias of *besan gutta, bharwa mirch, lapsi* and *mawa kachori*. Mewari cuisine consists of delicious fare – *kair kismish, mewa khichdi, dal ka halwa* and *til papdi* are some of the items.

While the two other chefs cook meals on Palace on Wheels and Heritage on Wheels, Virma Ram is from Jodhpur and he specialises in rustling up traditional Rajasthani food on a daily basis. ■ SNS

KER SANGRI

INGREDIENTS

Ker 50g
Sangri 150g
Curd one cup
Cooking oil 1 tbsp
Cumin seeds 1 tsp
Coriander powder 1 tsp
Chilli powder 1 tsp
Mango powder ½ tsp
Turmeric ½ tsp
Dry mango slices 2-3
Salt and chopped coriander

METHOD

Ker and *sangri* are soaked in curd for about five hours. Pour into boiling water and cook till done (10-15 minutes). Drain the water and set aside. Heat oil and add the cumin seeds. Add dry mango slices and the rest of the spices. Now add *ker sangri* and cook for about five minutes. Add salt to taste and garnish with coriander.

(4.B)

दैनिक
विश्वमित्र

मूल्य २ रुपए (हवाई डाक से २ रुपए ५० पैसे)

सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समाचार

हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक

पृष्ठ ८+४

वर्ष ९२, संख्या ९१ ● कोलकाता, वैशाख कृष्ण ९, सम्वत् २०६४, बुधवार ११ अप्रैल, डाक १२ अप्रैल २००७

राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर की कार्यक्रम उपसमिति द्वारा जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट के संयोजन सहयोग से श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय प्रांगण में आयोजित 'रंगीलो राजस्थान' कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर उद्घाटनकर्ता, पश्चिम बंगाल विधानसभा में एकमात्र प्रवासी राजस्थानी विधायक श्री दिनेश बजाज को राजस्थानी पगड़ी एवं दुपट्टा पहनाकर अभिनंदित करते हुए परिलक्षित हैं महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक श्री राज के. पुरोहित, चित्र में परिलक्षित हैं विधायक श्री तापस पाल, नेपाल के कौंसुल जनरल डा. गोविंद प्रसाद कुसुम, राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया, सदस्य श्री तिलोकचंद डागा एवं संयुक्त संयोजक श्री भानीराम सुरेका। - विश्वमित्र

सच्ची कहे अच्छी कहे

संवाद सूत्र

e-mail: sambad_joshi@yahoo.com

अंक - १ कोलकाता शनिवार ७ अप्रैल २००७ तक

राजस्थानी झलक का लुप्त उठाया लोगों ने

विविध आयोजनों के साथ संपन्न हुआ पांच दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह

राजस्थान फाउंडेशन

० ओम प्रकाश जोशी ०

कोलकाता। राजस्थान फाउंडेशन (कोलकाता चैप्टर) की ओर से राजस्थान दिवस के मौके पर पांच दिवसीय (३० मार्च से ३ अप्रैल तक) समारोह आयोजित किया गया। ३० अप्रैल ३१ मार्च का समारोह बंगाल रोइंग क्लब में हुआ और १ व २ अप्रैल के कार्यक्रम हिन्दुस्तान क्लब में संपन्न हुए। समारोह का समापन ३ अप्रैल को श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में आयोजित 'रंगरंगीलो राजस्थान' कार्यक्रम के साथ हुआ।

पांच दिवसीय समारोह में राजस्थान की कला-संस्कृति, वेशभूषा, नृत्य गीत-संगीत, और राजस्थानी व्यंजनों से अतिथियों का स्वागत किया गया।

अपने कण-कण में वीरता की गाथा समेटे राजस्थान की संस्कृति का जीता जागता रूप ३० मार्च को रवीद्र सरोवर स्थित बंगाल रोइंग क्लब में दिखा। खुले आसमान के नीचे कच्ची घोड़ी का नृत्य, आग से खेलते बवाई कला, तेहरा ताल आदि देखकर दर्शक एक बार भूल गये कि वे कोलकाता में है। बाजरे की रोटी व कई स्वादिष्ट व्यजन शिरकत करने वाले लोगों को अपनी ओर खींच रहे थे। पांच दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह की शुरुआत शाम चार बजे राजस्थानी कलाकारों ने अपनी कला दिखाकर की। क्लब के गलियारे में जयपुरिया रजाई, लकड़ी के बने रंग बिरंगे खिलौने व घरेलू उपयोग में लाये जानेवाले कई सामानों की प्रदर्शनी भी लगायी थी।

एक और दो अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब के सहयोग से क्लब प्रांगण में सांस्कृति कार्यक्रम पेश किया गया। जिसका लुप्त काफी संख्या में लोगों ने उठाया। दर्शकों की मांग को देखते हुए महानगर में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम की अवधि एक दिन बढ़ाई गई। समापन समारोह श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में हुआ। राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में यहां राजस्थान दिवस समारोह मनाया गया है। इस मौके पर शहर के कई जाने माने लोग बतौर मेहमान मौजूद थे। कार्यक्रम सफल बनाने में फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बागड़, सचिव संदीप भूतोड़िया सक्रिय रहे।

THE TIMES OF INDIA
KOLKATA | THURSDAY, APRIL 5, 2007 |

The desert beckons to all

Subrata Kotal

Banjarans dancing the kalbelia

Latif Khan

A chakon dancer

On Tuesday evening, the city saw a flash of brilliant colours and the rapt audience witnessed some very traditional performances by a group who came down all the way from the northwestern state of sand dunes and for the closing ceremony of the Rajasthan Diwas organised by the Rajasthan Foundation and Jorasanko Welfare Trust, Kolkata.

SPOTTED Young Latif who shared ad space with Hrithik Roshan in a cola commercial.

In the traditional Rajasthani attire

...ndeep Bhutoria GP Kusum Tapas Pal Raj K Purohit

Balchand enthralls the audience

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता

बुधवार 4 अप्रैल, 2007,

राजस्थान दिवस के मौके पर राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में आयोजित समारोह में कार्यक्रम पेश करते कलाकार

'राजस्थानी अपने साथ विकास की गति को लेकर जाते हैं'

कोलकाता: बंगाल अपनी कर्म भूमि है मगर अपनी जन्मभूमि के विकास तथा उन्नति के लिए यहां के राजस्थानी हमेशा प्रयासरत रहे। यह कहना है मुम्बई के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के उपाध्यक्ष राज के पुरोहित का। वे राजस्थान फाउंडेशन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जहां जाते हैं अपने साथ विकास की गति को लेकर जाते हैं। वे जहां जाते हैं उद्योग तथा वाणिज्य साथ लेकर जाते हैं। यही वजह है कि वे राज्यों के साथ दूध में शक्कर की तरह घुल जाते हैं। इस अवसर पर अभिनेता तापस पाल ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी वहां की सभ्यता व संस्कृति से मुझे बेहद लगाव है जिससे मैं खुद को वहां से जुड़ा पाता हूँ। इस अवसर पर नेपाल के वाणिज्य दूत, विधायक दिनेश बजाज, संस्था के कोलकाता चैप्टर के महासचिव संदीप भूतोड़िया, वरिष्ट कार्यकारी सदस्य लिलोक चन्द्र डागा, सुशील ओझा आदि मौजूद थे। इस दौरान राजस्थान की सोंधी मिट्टी व वहां के कलात्मक लोक कला की झांकी पेश किया वहां के जाने-माने कलाकारों ने। कालबेलिया नृत्य, लोक गीत तथा आग उगलने वाली कला ने कोलकाता वासियों का मन मोह लिया।

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

4 अप्रैल, 2007

राजस्थान की संस्कृति को राजस्थानियों तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य

कोलकाता : राजस्थान की संस्कृति को राजस्थानियों तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। यह कहना है महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा महाराष्ट्र विधान सभा में भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक राज के पुरोहित का।

एक विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन की ओर से कोलकाता में आयोजित राजस्थान दिवस समारोह इसकी एक कड़ी है। उन्होंने बताया कि 2001 में राजस्थान के प्रवासियों को राजस्थान से जोड़ने के लिये वसुंधरा राजे ने राजस्थान फाउंडेशन की

स्थापना की थी। उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया। महाराष्ट्र में शिव सेना के प्रमुख बाला साहब ठाकरे तथा राज ठाकरे द्वारा बिहारियों के प्रति किये गये वक्तव्य के संबंध में उन्होंने कहा कि यह चुनाव के समय दिया जाने वाला बयान है। पुरोहित ने कहा कि हमने स्वयं इस बयान की निंदा की है। महाराष्ट्र में 15 वर्ष से रहने वाले लोगों को डोमीसाइल प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस तरह के लोगों के लिये कहीं भी नौकरी करने में मनाही नहीं है।

जनसत्ता
कोलकाता बुधवार ४ अप्रैल २००७

राजस्थान दिवस समारोह संपन्न

कोलकाता, ३ सितंबर (जनसत्ता)। राजस्थान परिषद की ओर से बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में राजस्थान दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता ललित किशोर चतुर्वेदी, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र कुमार सेठ, प्रह्लाद राय गोयनका बतौर अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन रंगलाल सुराणा ने किया। यह जानकारी संस्था की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 4 अप्रैल 2007 (वैशाख कृष्ण पक्ष 2, संवत 2064) • बुधवार •

खूब जमा रंग राजस्थान दिवस समापन समारोह का

राजस्थान दिवस कार्यक्रम में लोकनृत्य पेश करतीं कलाकार. दायें हैं गोविंद कुसुम, विधायक राजके पुरोहित, विधायक दिनेश बजाज, विधायक तापस पाल, संदीप भूतोड़िया व अन्य शामिल हुए. तसवीरें : बजरंग शर्मा की.

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, बुधवार
4 अप्रैल, 2007
कोलकाता संस्करण

राजस्थानी लोक कलाकारों ने बिखेरा जादू

जागरण संवाद, कोलकाता : चौरासपूतों की धरती से आए कलाकारों ने राजस्थान दिवस समारोह के समापन के अवसर पर बड़ाबाजार के विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय परिसर में हाथों में आग, मुंह में आग, सिर पर आग से खेलते हुए बालचंद राणा व कालबेलिया नृत्य करती हुए खातु सपेरा को देखकर दर्शक वाह-वाह कर उठे। कलाकारों द्वारा पेश किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम दिवस समारोह का बड़ाबाजार में आयोजित किया गया। विधायक दिनेश बजाज ने राजस्थान दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री बजाज ने कहा कि देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों में राजस्थान दिवस के मौके पर, राजस्थानी लोक कलाओं का प्रदर्शन व राजस्थानी आर्ट काफ्ट की प्रदर्शनी राजस्थानी संस्कृति की विशिष्टता को दर्शाता है। भूमंडलीकरण के दौर में

उदासीनता का दंश झेल रहे राजस्थानी कलाकार

जागरण संवाद, कोलकाता : अपने भविष्य को लेकर आशंकित बंशीलाल और उनका दल अब छोटी-मोटी कमाई व खेती पर ही निर्भर है। ऐसी ही स्थिति नट-नटवी कला का करतब दिखाने वाले हिम्मावत सिंह की भी है। कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह में राजस्थान के डेगना (नागौर) से अपने दस साथियों के साथ आये विक्रम कुमावत ने बताया कि लोग हमें देखकर हंसी मजाक करते हैं। लोग उदासीन तो हुये ही हैं सरकारें भी ध्यान नहीं देतीं। बंशीलाल एंड पार्टी राजस्थान की जानी-पहचानी कुचामण खेल गाने वाली मंडलियों में से एक है। यह लोग औरत का स्वांग रचकर राजा अमर सिंह, राजा हरिशंचद्र सिंह, भक्तिमती मीरा, महाराणा प्रताप जैसी ऐतिहासिक कहानियों को गा-गाकर सुनाते हैं। इन्हें यह कला विरासत में मिली है। इनकी तीन पीढ़ियों से खेल जाकर पेट भरने का सिलसिला चलता आ रहा है। राजस्थान के राजाओं ने इस कला को प्रोत्साहित किया। उस समय दरबार लगता जिसमें ये लोक कलाकार खेल को बखूबी गाते। महफिल सजती व दूर-दूर से लोग खेल सुनने आते। बदले में इनाम मिलता। मजदूरी मिलती सो अलग। दल के एक सदस्य राणू ने बताया कि अब वे बातें गुजरे जमाने की हो गई। अब न वैसे सुनने वाले हैं और न इनाम देने वाले। सरकार ने भी हजारी ओर से मुंह मोड़ लिया है।

लोगों को रास तो आए ही साथ ही वहां के दाल बाटी चूरमा, बथुए का रायता, बाजरे व चने की रोटी, बूंदी साग जैसे लजीज व्यंजनों ने लोगों को अंगुलियां चाटने को मजबूर कर दिया।

राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता अध्याय, राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा जोड़ाबागान वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान राजस्थानी संस्कृति को वैश्विक स्तर नयी पहचान मिली है। राजस्थानियों के अलावा अन्य प्रदेश के लोग भी अब राजस्थानी संस्कृति से भली-भांति वाकिफ हो रहे हैं इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदीप भूतोड़िया, ईश्वरी प्रसाद पोद्दार, राजकुमार शर्मा, राजेश बिहानी सहित कई अन्य उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता • बुधवार • 4 अप्रैल, 2007

समारोह मंगलवार को राजस्थान दिवस समारोह में गणेश वंदना गाते सुल्तान खान एवं उनके साथी। पत्रिका

विकास और समृद्धि के आह्वान के साथ

राजस्थान दिवस समारोह संपन्न

पुरोहित समेत कई विधायकों ने की शिरकत

कोलकाता, 3 अप्रैल (का.सं.)। मारवाड़ियों की जन्मभूमि राजस्थान रहा है, लेकिन कर्मभूमि देश का प्रत्येक राज्य है। देश के कोने-कोने में जाकर मारवाड़ियों ने आर्थिक व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्र में भी विशेष योगदान दिया है। जहां भी मारवाड़ी बसे हैं उन्होंने वहां की संस्कृति के साथ अपनी संस्कृति का अद्भुत सामंजस्य स्थापित किया है। इसे अभी और विकसित एवं समृद्ध किया जाए। मुम्बई से आए बीजेपी विधायक और राजस्थान फाउंडेशन की गवर्निंग कौंसिल के सदस्य राज के. पुरोहित के इस आह्वान के साथ राजस्थान दिवस समारोह संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि पुरोहित ने कहा कि मारवाड़ी जहां भी जाते हैं वहां दूध में शक्कर की तरह घुल-मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बंगाल की जमीं पर मारवाड़ की संस्कृति का अच्छा सामंजस्य है। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर और राजस्थान विकास निगम के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का मंगलवार को पांचवां अंतिम दिवस था। समापन अवसर पर पुरोहित के साथ नेपाल कौंसिल के डॉ. गोविन्द प्रसाद कुसुम, संदीप भूतोड़िया, विधायक तापस पाल, विधायक दिनेश बजाज, सुशील ओझा, तिलोक चंद डागा, भानीराम सुरेका, जोधराज लड्ढा आदि लोगों ने शिरकत की।

श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में रंगीला राजस्थान की थीम पर आयोजित समारोह का उद्घाटन विधायक दिनेश बजाज ने किया। कार्यक्रम का संयोजन जोड़ासांकू बेलफेयर ट्रस्ट ने किया। सुल्तान खां एण्ड पार्टी की गणेश वंदना और केसरिया बालम...से शुरू हुआ लोक गीत-संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियों का क्रम कालबेलिया, भवाई, फायर नृत्य से होता हुआ अलगोजा नृत्य पर जाकर थमा। भारी संख्या में दूर से दूर से आए लोगों ने इसका भरपूर आनंद लिया। कलाकारों की हौसला अफजाई भी की। विधायक दिनेश बजाज ने कहा कि हम राजस्थान दिवस समारोह को राजनीतिक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। बंगाल की लोक संस्कृति के साथ राजस्थानी संस्कृति का सामंजस्य स्थापित कर इसे और प्रचलित करना चाहते हैं। विधायक तापस पाल और डॉ. गोविंद प्रसाद कुसुम को समारोह में आमंत्रित करना इस दिशा में उठाया गया एक कदम है।

इनका कहना है

राजस्थान फाउंडेशन का यह प्रयास सचमुच सराहनीय है। इससे न केवल दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति को, बल्कि विचारों को भी नई दिशा मिलेगी। इसके लिए मैं आभारी हूं।
- राज के. पुरोहित (विधायक)

इस से राजस्थान की लोक कला को पूरे देश में पहचान बनाने में मदद मिलेगी। इसे राजनीतिक स्तर पर पहल की जरूरत है।
- दिनेश बजाज (विधायक)

मुझे राजस्थान की संस्कृति में रचे बसे लोक कार्यक्रमों को देखकर इस संस्कृति के प्रति और अधिक जानने की ललक जगी है। ऐसे समारोहों को प्रोत्साहन देना चाहिए
- डॉ. गोविंद प्रसाद कुसुम (सदस्य, नेपाल कौंसिल)

The Telegraph

CALCUTTA TUESDAY 3 APRIL 2007

Desert delights

A girl gets *mehndi* done at Hindusthan Club. Picture by Sanjoy Chattopadhyaya

- **What:** Rajasthan Diwas.
- **Where:** Hindusthan Club.
- **When:** April 1 and 2.
- **Ethnic extravaganza:** Skilled hands of Rajasthan's artists brought to life a four-day fun fiesta. Rajasthan made its way to Calcutta at the Hindusthan Club on Sarat Bose Road, with guests being welcomed with a traditional folk dance at the club entrance.

The evening began with Group Langa (singing of songs to the beat of traditional instruments from Thar). Performing groups like Kacchi Ghori, Chakri Dance and Nat-Natni followed. Holding centre-stage were daring acrobatic performances like balancing acts, Bhavai (playing with fire) and Terah Taal (dances with pots on heads and bells tied to the feet).

Mehndi artists were a big draw with a queue of mothers jotting down the artist's contacts, possibly for upcoming weddings. Then there were palmists and fortune-tellers; and Kota saris and German silver items with *meenakari* on sale. Bangles, dolls and lanterns completed the list of traditional ware.

- **Sip 'n' bite:** *Phuchkas*, *samosas* and other snacks kept tummies quiet till dinner was served on the first floor, which included Bati Masala, Churma, Bharwa Mirch, Mewa Khichdi, Til Papdi and more.
- **Voiceover:** "The response has been so overwhelming that the programme has been extended till April 3 at Vishuddhanand Saraswati Vidyalaya, CR Avenue," said Sundeep Bhutoria, secretary, Rajasthan Foundation, organisers of the event.

With one out of every three domestic visitors to Rajasthan hailing from Bengal, such enthusiasm was not surprising.

Karo Christine Kumar

जनसत्ता
कोलकाता मंगलवार ३ अप्रैल २००७

'रंगीलो राजस्थान' कार्यक्रम आज

कोलकाता, २ अप्रैल (जनसत्ता)। राजस्थान फाउंडेशन की ओर से राजस्थान दिवस के मौके पर आयोजित समारोह के तहत ' रंगीलो राजस्थान' कार्यक्रम मंगलवार को चित्तरंजन एवेन्यू स्थित श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में होगा।

फाउंडेशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया गया कि यह कार्यक्रम जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित होगा।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, मंगलवार
3 अप्रैल, 2007
कोलकाता संस्करण

...म्हारो प्यारो राजस्थान पर झूमे प्रवासी

जागरण संवाद, कोलकाता : रंग रंगीलो रस भरो म्हारो प्यारो राजस्थान...., म्हारे हिवड़ा में बसे राजस्थान....., सिर पे ओढ़नी, पैर में तलवार हाथ में मजीरे बाजो बाज रे म्हारे प्यारो राजस्थान, रजवाड़ा संस्कृति की छटा बिखेरते को राजस्थान से आये लोक कलाकारों ने तेराताल, नट-नटनी नृत्य, कालबेलिया नृत्य व कत्थक (आधुनिक रूप) प्रस्तुत कर हिंदुस्तान क्लब में उपस्थित श्रोताओं को न सिर्फ राजस्थानी लोक संस्कृति से परिचित कराया बल्कि रूपात्मक कालबेलिया नृत्य पर करतब दिखाकर स्तब्ध किया।

विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों के मन में ऐसी छाप छोड़ दी कि वे भी कलाकारों के साथ ताल से ताल मिलाकर झूमने लगे। तेराताल की प्रस्तुति करने वाली दुर्गा व उनके साथियों ने बताया कि तेराताल जैसे संगीत में तेरह धुन व गीत साथ-साथ चलते हैं। एक साथ धुन व धुन के आधार पर शरीर की विहंगम आकृतियों की प्रस्तुति ही इसका आकर्षण है।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित दुर्गा बाई (सिंह) ने बताया कि यह हमारा खानदानी पेशा है। चार पीढ़ी से उनके परिवार के लोग देश-विदेश में तेराताल की प्रस्तुति करते रहे हैं। तेराताल में बजने वाला मंजीरा समरसता, माथे पर सजने वाला लोटा समृद्धि व मुंह में फंसा हुआ तलवार मेवाड़ की औरतों के साहस का परिचय देता है। कलाकारों ने अपनी आंगिक और शारीरिक मुद्राओं से बंगाल की धरा को मंत्रमुग्ध किया। हिंदुस्तान क्लब परिसर को सजावट से मारवाड़ी परिवेश देने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने कहा कि हमलोगों ने राजस्थानी संस्कृति को बंगाल में लाने का प्रयास किया है।

- लोक कलाकारों ने करतब दिखा किया हतप्रभ

विशेषकर युवा पीढ़ी को राजस्थानी संस्कृति की महत्ता को बताने का यह प्रयास है। युवा पीढ़ी रॉक, पलार, पिज्जा की ओर आकर्षित हो रही है। इस मनोरम प्रस्तुति से प्रभावित युवा दाल बाटी, चूरमा की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हिंदुस्तान क्लब के पारसमल जैन, सचिव पवन जैन, राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भुतोड़िया, विधायक दिनेश बजाज सहित कई अतिथियों ने राजस्थान दिवस समारोह में भाग लिया।

राजस्थानी कला

तेराताल नृत्य प्रस्तुत करतीं लोक कलाकार — जागरण

पत्रि
कोलकाता ◆ मंगलवार ◆ 3 अप्रैल, 2

राजस्थान पत्रिका के प्रयास से विद्यार्थियों ने या

आईआईटी में मना राज

कार्यालय संवाददाता
कोलकाता/ खड़गपुर, 2 अप्रैल।

आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले छात्रों ने राजस्थान पत्रिका, कोलकाता संस्करण के प्रयास से राजस्थान दिवस मनाया और अपने देस-गांव को याद किया। आईआईटी, खड़गपुर में पढ़ने वाले राजस्थानी मूल के बच्चों के साथ शामिल हुए बंगाली, बिहारी, उत्तर प्रदेशीय और अन्य राज्यों से आए बच्चे भी। आईआईटी के बच्चों ने एक अप्रैल की शाम राजस्थान दिवस के नाम कर दी। देर रात तक चले आयोजन में लगभग तीन सौ विद्यार्थियों ने बंगभूमि पर मरूभूमि के सुरों की सरिता बहाई, संस्कृति के रंग बिखेरे। इस मौके पर प्रवासी बच्चों का साथ निभाने के लिए राजस्थान पत्रिका उनके साथ थी।

परम्परागत तरीके से गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद अतिथियों का स्वागत भाषण हुआ। राजस्थानी कल्चरल एसोसिएशन (आईआईटी, खड़गपुर) के अध्यक्ष प्रो. आर.बी. मिश्रा और प्रो. एच.एन. आचार्य ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिए।

घणो-घणो राम-राम से कार्यक्रम की शुरूआत क्या हुई, बच्चे अपनी मातृभाषा में प्रस्तुति देने के लिए एक-एक कर स्टेज की ओर बढ़ने लगे। **म्हारे हेलो जी राम पीर...**, **सासू जी मत्रे माफ करो...** और राणा प्रताप, अर्जुन सिंह तथा छत्राणियों की वीरगाथा पेश कर बी. टेक, एम. टेक और पी. एचडी. के बच्चों ने समां बांध दिया। कैसे रात गहराने लगी, अंदाजा ही नहीं लगा। कार्यक्रम के बाद जीमण हुआ। जीमण में विशेष रूप से दाल-बाटी-चूरमा परोसा गया और पात बिठाकर जिमाया गया। कार्यक्रम के संयोजन से लेकर सफल बनाने तक की तैयारियों में त्रिपुरारी गोयल, अभिषेक माथुर, रोहित राठी, गौरव द्विवेदी और उसके साथियों का अहम योगदान रहा।

बंगभूमि और मरूभूमि का मेल भाया

इस कार्यक्रम में बंगाली बाला मितोशी और अभिषेक माथुर का डिवेट काबिले तारीफ रहा। माथुर के साथ मितोशी ने **सासू जी मत्रे माफ करो...** पर ऐसा राग छेड़ा कि राजस्थानी छात्राएं भी भौंचक रह गई। इसके साथ ही निलेश भट्टाचार्य का **हाल क्या है दिलों का...** पर तालिया और **खईके पान बनारस वाला...** पर छात्र थिरकने से खुद को रोक नहीं सके।

आईआईटी के टेक्नोलाजी भवन में विद्या

क्या कहना है इनका

जिस तरह से बच्चों ने देश के पूर्वी
विश्वास है कि आने वाले दिनों में ये अप
- प्रो. आर. बी. मिश्रा,

मातृभूमि से हजारों कोस दूर होकर
और पत्रिका का सहयोग ही है कि आज
- विवेक श्रीवास्तव, छात्र (पी

180

देर से जमा समारोह में रंग

राजस्थान दिवस समारोह का चौथा दिन

कार्यालय संवाददाता
कोलकाता, 2 अप्रैल।

हिन्दुस्तान क्लब में राजस्थान दिवस समारोह के चौथे दिन समारोह का रंग थोड़ा देर से जमा। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर और राजस्थान विकास निगम के सहयोग से आयोजित समारोह में दर्शकों की संख्या शनिवार की अपेक्षा सोमवार को कम रही। इससे कलाकारों के उत्साह में भी कमी आने लगी। लेकिन शाम ढलते ही ज्यों-ज्यों लोग आने लगे समारोह में जान आने लगी। मेहमानों को आते देख कलाकारों के चेहरों पर भी चमक आ गई। पुरुषों ने लोक नृत्य का, महिलाओं ने साड़ी, मीनाकारी की स्टॉल्स और बच्चों ने खाने-पीने का लुत्फ उठाया। भरतपुर से आए नट- नटनों की कला बाजिओं का भी बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। मंच का संचालन कर रहे राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के सीआरओ इंचार्ज जी. के. गोस्वामी ने बताया कि समारोह के बीच-बीच में दर्शकों से प्रश्न पूछा जाता। सही जवाब देने वाले को राजस्थान विकास निगम की ओर से इनाम दिया जाता। इसमें विशेषकर महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। दर्शकों ने जोधपुर से आई सुरनाथ कालबेलिया एण्ड पार्टी की प्रस्तुति को सराहा। बिना रुके जोर-जोर से घूमना, पीछे मुड़कर आंखों से अंगूठी उठाना कालबेलियों की इन कलाबाजियों ने कद्रदानों की खूब तालियां बटोरीं। फूड फेस्टिवल का भी हाल ऐसा ही रहा।

भीड़ बढ़ने के साथ उसमें रौनक आई। मावा की कचौरी, पालक की कढ़ी, मैथी की चटनी आज विशेष व्यंजन थे।

समारोह की अवधि बढ़ी

प्रवासी राजस्थानियों के उत्साह और कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए राजस्थान दिवस समारोह की अवधि एक दिन बढ़ा दी गई है।

राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अवधि दो अप्रैल से बढ़ाकर तीन अप्रैल तक कर दी गई है।

राजस्थान फाउंडेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन अप्रैल को जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित होगा।

सोमवार को राजस्थान दिवस समारोह की झलकियां (1) मूछों पर ताव देता एक कलाकार। (2) स्टॉल पर मीनाकारी आइटम को निहारती एक महिला। (3) प्रस्तुति देती एक कलाकार।

इनका कहना है

"मैं गुजराती हूं, लेकिन उत्सव को देखकर मुझे लग रहा है कि मैं भी मारवाड़ी हूं। इस सजावट और व्यवस्था की जिम्मेदारी में मेरी भी भूमिका है। वाकई राजस्थानी संस्कृति का सानी नहीं

- संगीता ठक्कर (सदस्य, बंगाल रोइंग क्लब)

कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन बंगाली और राजस्थानी संस्कृति में सामंजस्य स्थापित कर रहा है। राजस्थानी परिवेश की सजावट और लोक कला के बीच बंगाल के दर्शक काबिले-तारीफ है

-नीरू शाह (सदस्य, हिन्दुस्तान क्लब)

कोलकाता को मिनी राजस्थान क्यों कहते हैं यह यहां राजस्थान दिवस समारोह में आकर मालूम पड़ा। विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने इस समारोह में चार चांद लगा दिए हैं। ऐसे आयोजन वर्ष में दो-तीन होने चाहिए

- श्रीमती कैलाश टाटिया (शोध कर्ता)"

किया देस को

थान दिवस

को संबोधित करते प्रो. आचार्य।

...र भी अपनी मरुभूमि को याद किया है, उम्मीद ही नहीं ...न अर्जन से शिक्षा क्षेत्र में सशक्त पहचान कायम करेंगे। ...ं, राजस्थानी कल्चरल एसोसिएशन, आईआईटी खड़गपुर

...तरह का आयोजन अकल्पनीय था। लेकिन हमारी कोशिश ...अपने देस से दूर होते हुए भी दूरी नहीं महसूस कर रहे हैं। ...। रिलायबिलिटी इंजिनियरिंग- आईआईटी खड़गपुर

18(B)

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता ● बैसाख कृष्ण पक्ष 1 संवत् 2064, मंगलवार 3 अप्रैल 2007

'रंगीलो राजस्थान' आज विशुद्धानंद विद्यालय में

कोलकाता, 2 अप्रैल। वीर सपूतों की धरती से आए कलाकारों ने महानगर में ऐसा कार्यक्रम पेश किया कि बाध्य होकर आयोजकों को राजस्थान दिवस समारोह के आयोजन को एक दिन बढ़ाना ही पड़ गया। कलाकारों द्वारा पेश किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों को रास तो आए ही, साथ ही वहां के लजीज व्यंजनों ने लोगों को अंगुलियां चाटने को मजबूर कर दिया। महानगरवासियों ने बंगाल रोईंग क्लब एवं हिन्दुस्तान क्लब में राजस्थान दिवस का जमकर लुत्फ उठाया। चार दिनों के पश्चात पांचवें दिन राजस्थान दिवस कार्यक्रम का आयोजन श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में किया जाएगा।

राजस्थान फाउंडेशन द्वारा राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। फाउंडेशन की कार्यक्रम उप समिति के सदस्य एवं कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक द्वय श्री भातीराम सुरेका एवं जोधराज लड्ढा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम के प्रति लोगों के उत्साह को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

दैनिक विश्वमित्र
सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समाचार
कोलकाता, चैत्र शुक्ल १५, सम्वत् २०६४, सोमवार २ अप्रैल, डाक ३ अप्रैल २००७

कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह एक दिन और बढ़ा

कोलकाता, १ अप्रैल (नि.प्र.)। मरुभूमि राजस्थान से आए कलाकारों के हैरतअंगेज कारनामों से आनन्द विभोर दर्शकों की मांग के मद्देनजर कोलकाता में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम की अवधि एक दिन और बढ़ा दी गई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में यहां राजस्थान दिवस समारोह मनाया जा रहा है। ३० व ३१ मार्च को स्थानीय बंगाल रोईंग क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दर्शकों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। लोग राजस्थान के १४ जिलों से आए ७० कलाकारों के करतब देख आनन्द विभोर हो गए और मांग की कि इस कार्यक्रम की अवधि बढ़ाई जाए, जिसके मद्देनजर मंगलवार ३ अप्रैल को स्थानीय विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के परिसर में सायं ५ बजे कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि मुंह से आग निकालने, रस्सी पर चलकर दिखाने तथा नट-कलाकार के करतबों व कालबेड़िया समेत राजस्थान के लोक-संगीत जैसे कार्यक्रमों से लोग काफी अभिभूत हैं। श्री भूतोड़िया ने बताया कि विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संयोजन में जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट का सहयोग रहेगा। यह कार्यक्रम सर्वसाधारण के लिए है और प्रवेश नि:शुल्क कार्ड द्वारा होगा। लोग गणेश चन्द्र एवेन्यू स्थित राजस्थान सूचना केन्द्र, जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट मार्फत रवीन्द्र सरणी स्थित स्टीलको और २, नन्दो मल्लिक लेन, ओसवाल भवन स्थित राजस्थान परिषद् के कार्यालय से कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन तृणमूल कांग्रेस के युवा विधायक श्री दिनेश बजाज करेंगे। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक हैं श्री भानीराम सुरेका और जोधराज लड्ढा, जबकि श्री ईश्वरी प्रसाद दांतिया, श्री राज डूंगर, श्री राज कुमार शर्मा और श्री राजेश बियानी इस आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय हैं। बंगाल रोईंग क्लब में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में सर्वश्री हरिप्रसाद बुधिया, प्रहलाद राय अग्रवाल, विश्वम्भर दयाल सुरेका एवं क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया उपस्थित थे। जबकि आज हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित कार्यक्रम में काफी भीड़ रही, जिसमें राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदीप भूतोड़िया, क्लब के अध्यक्ष पवन जैन, सचिव जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन, श्री तिलोकचन्द डागा एवं श्री विश्वम्भर नेवर विशेष रूप से मौजूद रहे।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, सोमवार
2 अप्रैल, 2007
कोलकाता संस्करण

राजस्थानी रंग

राजस्थान दिवस समारोह में नृत्य करते लोक कलाकार जागरण

लोक कलाकारों ने जमायी महफिल

जागरण संवाद, कोलकाता : राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह में मरुभूमि राजस्थान के लोक कलाकारों के हैरतअंगेज कारनामों व लोकगीत, नट-नटनी नृत्य, कालबेलिया व अलगोजा नृत्य, मुंह से आग निकालने, रस्सी पर चलकर लोक कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का जादू महानगर वासियों को दिखाया। राजस्थान दिवस समारोह के अंतर्गत रविवार को हिंदुस्तान क्लब में लोकनृत्य, लोक पाक कला, राजस्थानी आर्ट व क्राफ्ट तथा चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राजस्थान समारोह की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर इसे एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। समारोह का नेतृत्व कर राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने कहा कि राजस्थान दिवस समारोह एक प्रयास है बंगीय व राजस्थानी संस्कृति को आपस में जोड़ने का। इस आयोजन से युवा पीढ़ी मारवाड़ी संस्कृति को बखूबी समझ पायेगी। मारवाड़ी मरुभूमि की गर्मी को सहकर व हाड़ कंपाने वाली ठंड में तपकर अपने आपको इस योग्य बना लेता है कि वो विश्व के किसी भी कोने में अपने आप को स्थापित कर सकता है। कोलकाता महानगर में रह रहे मारवाड़ी इसके प्रत्यक्ष प्रमाण है। हिंदुस्तान क्लब में समारोह परिसर मिनी राजस्थान बन गया। चकती, कैर, सांगरी, चीना घेवर व खींचड़ा की रोटी जोधपुर के खानसामा बीरबाराम ने शादी अंदाज में परोसा।

राजस्थान दिवस समारोह की अवधि एक दिन बढ़ी

जागरण संवाद, कोलकाता : राजस्थान से आये कलाकारों के हैरतअंगेज कारनामों से आनंद विभोर दर्शकों की मांग के मद्देनजर कोलकाता में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम की अवधि एक दिन और बढा दी गई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में यहां राजस्थान दिवस समारोह मनाया जा रहा है। 30 व 31 मार्च को स्थानीय बंगाल रोइंग क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोग राजस्थान के 14 जिलों से आये 70 कलाकारों के करतब देख भावविभोर हो गये और मांग की कि इस कार्यक्रम की अवधि बढ़ाई जाए। इसके मद्देनजर मंगलवार 3 अप्रैल को विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय के परिसर में सायं 5 बजे कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि मुंह से आग निकालने, रस्सी पर चलकर दिखाने तथा नट-कलाकार के करतबों व कालबेड़िया समेत राजस्थान के लोक-संगीत जैसे कार्यक्रमों से लोग अभिभूत हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन तृणमूल कांग्रेस के विधायक दिनेश बजज करेंगे। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक हैं भानीराम सुरेका और जोधराज लड्ढा, जबकि ईश्वरी प्रसाद टांटिया, राज झंवर, राजकुमार शर्मा और राजेश बियाणी इस आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय हैं। बंगाल रोइंग क्लब में संपन्न हुए कार्यक्रम में हरिप्रसाद दुधिया, प्रह्लाद राय अग्रवाल, विश्वंभर दयाल सुरेका एवं क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया उपस्थित थे।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 2 अप्रैल 2007 (चैत्र पूर्णिमा, संवत 2064) • सोमवार •

राजस्थान दिवस समारोह एक दिन और बढ़ा

राजस्थानी लोक नृत्य पेश करते कलाकार.

कोलकाता: दर्शकों की मांग को देखते हुए महानगर में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम की अवधि एक दिन और बढ़ा दी गयी. उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में यहां राजस्थान दिवस समारोह मनाया जा रहा है.30 और 31 मार्च को स्थानीय बंगाल रोईंग क्लब में कार्यक्रम पेश किया गया,जिसमें दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी. लोग राजस्थान के 14 जिलों से आये 70कलाकारों के करतब देख कर आनंद विभोर हो गये. दर्शकों के उत्साह को देखते हुए राजस्थान फाउंडेशन ने आगामी तीन अप्रैल को स्थानीय विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में शाम पांच बजे कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय किया है. इस कार्यक्रम में राजस्थान से आये कलाकार अपने कला का जौहर दिखायेंगे.इस बात की जानकारी फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने दी. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सर्वसाधारण के लिए आयोजित किया जा रहा है व प्रवेश निशुल्क कार्ड द्वारा होगा. उन्होंने बताया कि 3 अप्रैल को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संयोजन में जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट का सहयोग रहेगा. कार्यक्रम का उद्घाटन तृणमूल कांग्रेस के युवा विधायक दिनेश बजाज करेंगे. आज हिंदुस्तान क्लब में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के भारी भीड़ रही. कार्यक्रम में फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदीप भूतोड़िया,पवन जैन, जीवराज सेठिया, पारसमल जैन, तिलोकचंद डागा, विश्वंभर नेवर सहित अन्य लोग मौजूद थे.

卐 ।। श्री हरिः ।। 卐

सन्मार्ग

कोलकाता

सोमवार 2 अप्रैल, 2007,

राजस्थान फाउण्डेशन के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचा कलाकारों का दल

राजस्थान दिवस समारोह में राजस्थानी कलाकारों ने समां बांधा

कोलकाता: राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित राजस्थान दिवस समारोह में राजस्थानी कला व संस्कृति की अद्भुत झलकियां देखने को मिलीं। राजस्थान के 14 जिलों से आये लगभग 80 कलाकारों ने राजस्थान के पारम्परिक लोक संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर राजस्थान की याद ताजा कर दी। अपने पूर्वजों से गाना बजाना सीखते आये ये कलाकार विदेशों में भी अपना कार्यक्रम कर चुके हैं। हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में कुछ राजनटों ने रस्सी पर बांस लेकर चलने की कला दिखायी तो किसी ने मुंह में केरोसिन भरकर आग की लपटों से खेल कर करिश्माई करतब दिखाये। राजस्थान से आये लोक कलाकारों ने बवाई, चकरी, अलगोजा व कालबेलिया पारम्परिक नृत्यों की अनोखी तस्वीरें पेश कीं। इसमें कई नृत्य महिला की वेशभूषा व शृंगार में पुरुषों ने पेश किये। इन अद्भुत कलाकारों के करिश्मे को देखने के लिये क्लब में लोगों की काफी भीड़ रही। एक तरफ इन कलाकारों के पारम्परिक संगीत नृत्य की झलकियां, स्वादिष्ट राजस्थानी व्यंजन तो दूसरी ओर राजस्थान के विभिन्न जिलों से आये शिल्पकारों की नायाब कलाकृतियां देखकर मानो कोलकाता ही राजस्थान नजर आ रहा था। इस मौके पर राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि 24 मार्च से 30 मार्च तक राजस्थान में भी राजस्थान दिवस समारोह मनाया गया। कोलकाता में राजस्थानी सभ्यता से लोगों को अवगत कराने के लिये यह विशेष आयोजन गत 3 वर्षों से किया जा रहा है। रविवार को केसरी खीर, मसाला भाटी, बाजरा खिचड़ी, जयपुरी पुलाव पापड़-लापड़ और बेसन गट्टे सहित कई राजस्थानी व्यंजन बनाये गये हैं। इन व्यंजनों के लिये खास शाही रसोइयों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि मरुभूमि राजस्थान से आये इन कलाकारों के हैरतअंगेज कारनामों से आनन्दित लोगों की मांग पर इसको अवधि एक दिन बढ़ा दी गयी है। मंगलवार को यह कार्यक्रम शाम 5 बजे विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में मनाया जायेगा। इसमें प्रवेश निःशुल्क कार्ड द्वारा होगा। रविवार को हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में फाउण्डेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष पवन जैन, सचिव जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन, क्लब समिति सदस्य सुश्री नौरु शाह, तिलोकचन्द डागा विशेष रूप से सक्रिय रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुल्तान खान एवं उसके साथी द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से की गयी।

বর্তমান

কলকাতা, সোমবার ২ এপ্রিল ২০০৭, ১৮ চৈত্র ১৪১৩

রাজস্থান ফাউন্ডেশনের উদ্যোগে আয়োজিত রাজস্থান উৎসবে রবিবার লোকশিল্পীদের অনুষ্ঠান। —নিজস্ব চিত্র।

The Telegraph

CALCUTTA MONDAY 2 APRIL 2007

TWO WORLDS

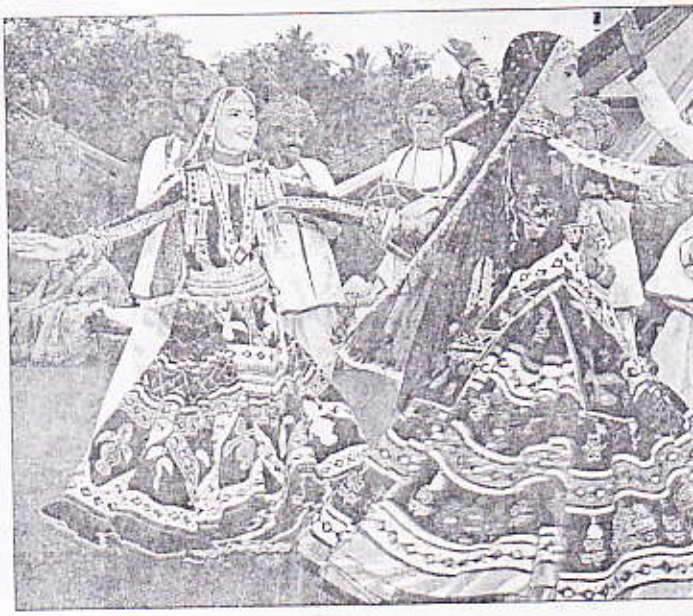

A Kuchipudi performance and a Rajasthani folk dance in Calcutta. Pictures by Sanjoy Chattopadhyaya and Aranya Sen

राजस्थान पत्रि

कोलकाता • सोमवार • 2 अप्रैल, 20

कालबेलिया जोधपुर की कालबेलिया नृत्य एण्ड पार्टी की एक कलाकार रविवार को हिन्दुस्तान क्लब में कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति देते हुए। पत्रिका

आग से खेलता है बालचंद राणा

कोलकाता, 1 अप्रैल (का.सं.)। हाथों में आग, मुंह में आग, सिर पर आग। आग से खेलता है बालचंद राणा। इस दौरान न कहीं कोई डर और न कोई लापरवाही। कार्यक्रम के बाद होने वाली तालियों की गड़गड़ाहट ही राणा का इनाम है। भारत के कोने-कोने में लोग राणा की इस लोक कला को देखने के लिए बेताब रहते हैं। भारत में ही क्यों इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, डेनमार्क, हॉलैंड, स्वीट्जरलैंड आदि कई देशों में उसके इस हैरतअंगेज कारनामे को लोग टकटकी लगाकर देखते हैं। कांच के गिलास पर खड़े होकर थिरकना। उसी गिलास को पांव से तोड़ना। सिर पर एक साथ कई सारे मटके लेकर नाचना। संतुलन और हिम्मत का यह भवाई नृत्य अब राणा का जुनून सा बन गया है। यहां आयोजित राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के राजस्थान दिवस समारोह में जयपुर के बालचंद राणा को भवाई और फायर नृत्य के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। राणा बताते हैं कि उनकी चार पीढ़ियां भवाई और फायर को पहचान दिलाने में गुजर गईं। आज मैं जो कुछ भी हूं उनकी मेहनत से हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे भी मेरी इस खानदानी कला को जिंदा रखें।

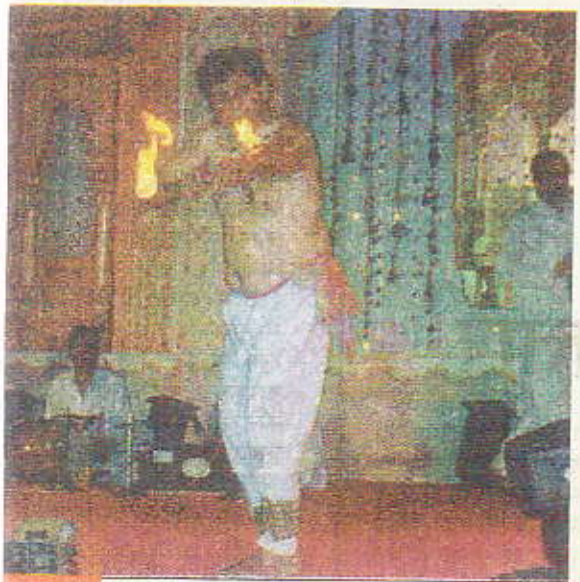

फायर नृत्य जयपुर से आया बालचंद राणाराजस्थान दिवस समारोह में फायर नृत्य का प्रदर्शन करता हुआ। पत्रिका

बेगानी होती ल

कोलकाता, 1 अप्रैल (का.सं.)। अ
बंशीलाल और उनका दल अब छोटे मोटे
ही निर्भर है। यहां राजस्थान दिवस समारोह
से अपने दस साथियों के साथ आए संतो
देखकर हंसी-मजाक करते हैं। बंशीलाल
पहचानी कुचामण खेल गाने वाली मंडलि
स्वांग रखकर राजा अमर सिंह, राजा हरि
प्रताप जैसी ऐतिहासिक कहानियों को न
कला विरासत में मिली। इनकी तीन पीढ़ि
सिलसिला चला आ रहा है। राजस्थान के रा
किया। उस समय दरबार लगता। महफिल
खेल सुनने आते। बदले में इनाम मिलता।
दल के एक सदस्य राजू ने बताया कि अब
हैं। अब न वैसे सुनने वाले हैं और न इनाम
ओर से मुंह मोड़ लिया है।

कुचामणी खेल नागौर की बंशीलाल खिला
कुचामणी खेल की प्रस्तुति से

26 (A)

ना है

आयोजन का उद्देश्य ही था
र इन चार दिनों में राजस्थान
का। इसकी सफलता यहां
ड़ ही चर्चा कर रही है
(अध्यक्ष, बंगाल रोइंग क्लब)
के बीच फुरसत के क्षण
ी संस्कृति में रंगना कार्यक्रम
ति वर्ष के इस आयोजन से
खुशबू बनी रहती है
(कोषाध्यक्ष, हिन्दुस्तान क्लब)
संस्कृति को पास से देखने
ने का यह अच्छा अवसर है।
ी पीढ़ी में अपनी धरा का

ा (सचिव, हिन्दुस्तान क्लब)
यंजनों के अलावा खास बात
ल। प्रवेश द्वार पर कच्ची
मेहंदी और हैंडीक्राफ्ट का
कर्षित कर रही है
- डॉ. मंजू नाहटा
(शोध कर्ता और चित्रकार)

'म्हारे हिवड़ा में बसे राजस्थान'

कोलकाता, (का.सं.)। 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश..., म्हारे हिवड़ा में बसे राजस्थान..., कण-कण सूं गूंजे जय-जय राजस्थान...' रजवाड़ी संस्कृति में रचे बसे लोक गीतों को सुनकर हर कोई अपने राजस्थानी होने पर गौरवान्वित हो रहा था।

रविवार को हिन्दुस्तान क्लब में राजस्थान दिवस समारोह के तीसरे दिन की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों के पांव में जैसे घुंघरू बांध दिए। वे भी कलाकारों के साथ-साथ ताल से ताल मिलाकर झूमने लगे। कलाकारों ने अपनी आंगिक और शारीरिक मुद्राओं से बंगाल की धरा को मंत्र मुग्ध कर दिया। परिसर की सजावट से मारवाड़ी परिवेश देने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदीप भूतोड़िया के साथ हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष पवन जैन, सचिव जीवराज सेठिया और विधायक दिनेश बजाज ने शिरकत की।

कोटा डोरिया देखी, रजाइयां खरीदी

राजस्थान समारोह में राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से लगाई स्टॉल्स में जयपुरी रजाइयों की खरीददारी अच्छी रही। राजस्थान से आए फिरोज अहमद और मो. सिद्दीकी ने बताया कि बीबी रसेल की डिजायन की हुई कोटा डोरिया को भी लोगों ने सराहा, लेकिन खरीदने में रुचि नहीं दिखाई।

...और अंगुली चाटने लगे

जयपुर की राजमाता का खानसामा, जोधपुर का नामी सैफ बीरबाराम के बनाए गुलाब चूरमा और दही की चकरी को चाखकर स्वाद प्रेमी आज अंगुली चाटते नजर आए। राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंधक प्रमोद गर्ग के निर्देशन में सभी व्यंजन तैयार किए गए। गर्ग ने बताया कि फूड फेस्टिवल में आज मूंग की दाल का हलवा, बासंती खीर, मिक्स भाजी खास थे। व्यंजनों में दाल की चक्की, बेसन गट्टा, कुल्फी को ज्यादा सराहा गया।

क कला

भविष्य को लेकर आशंकित
कमों से होने वाली कमाई पर
ाजस्थान के डेगाना (नागौर)
ड़ता ने बताया कि लोग हमें
ड पार्टी राजस्थान की जानी
ी से है। यह लोग औरत का
द, भक्तिमती मीरा, महाराणा
गाकर सुनाते हैं। इन्हें यह
ते खेल गाकर पेट भरने का
ों ने इस कला को प्रोत्साहित
नजती और लोग दूर-दूर से
या-पैसा मिलता सो अलग।
बातें गुजरे जमाने की हो गई
ी वाले। सरकार ने भी हमारी

एण्ड पार्टी के कलाकार पोज देते हुए। पत्रिका

26 B

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता • चैत्र शुक्ल पक्ष 15 संवत् 2064, सोमवार 2 अप्रैल 2007

राजस्थान दिवस समारोह एक दिन और बढ़ा

कोलकाता, 1 अप्रैल। राजस्थान से आए कलाकारों के हैरतअंगेज कारनामों से आनंद विभोर दर्शकों की मांग के मद्देनजर कोलकाता में चल रहे राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम की अवधि एक दिन और बढ़ा दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के पर्यटन व उद्योग विभाग तथा राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में यहां राजस्थान दिवस समारोह मनाया जा रहा है। 30 व 31 मार्च को स्थानीय बंगाल रोइंग क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दर्शकों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। लोग राजस्थान के 14 जिलों से आए 70 कलाकारों के करतब देख आनंद विभोर हो गए और मांग की कि इस कार्यक्रम की अवधि बढ़ाई जाए, जिसके मद्देनजर मंगलवार 3 अप्रैल को स्थानीय विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय के परिसर में सायं 5 बजे कार्यक्रम आयोजित करने का निश्चय किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चेप्टर के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि मुंह से आग निकालने, रस्सी पर चलकर दिखाने तथा नट-कलाकार के करतबों व कालबेलिया समेत राजस्थान के लोक-संगीत जैसे कार्यक्रमों से लोग काफी अभिभूत है।

श्री भूतोड़िया ने बताया कि विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संयोजन में जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट का सहयोग रहेगा। यह कार्यक्रम सर्वसाधारण के लिए है और प्रवेश निःशुल्क कार्ड द्वारा होगा। लोग गणेश चन्द्र एवेन्यू स्थित राजस्थान सूचना केंद्र, जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट मार्फत रवींद्र सरणी स्थित स्टीलको और 2, नंदो मल्लिक लेन, ओसवाल भवन स्थित राजस्थान परिषद के कार्यालय से कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन तृणमूल कांग्रेस के युवा विधायक श्री दिनेश बजाज करेंगे। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक हैं श्री भानीराम सुरेका और जोधराज लड्ढा, जबकि श्री ईश्वरी प्रसाद टांटिया, श्री राज झंवर, श्री राज कुमार शर्मा और श्री राजेश बियानी इस आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय हैं। बंगाल रोइंग क्लब में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में सर्वश्री हरिप्रसाद बुधिया, प्रह्लाद राय अग्रवाल, विश्वम्भर दग ? सुरेका एवं क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया उपस्थित थे। जबकि आज हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित कार्यक्रम में काफी भीड़ रही, जिसमें राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदीप भूतोड़िया, क्लब के अध्यक्ष पवन जैन, सचिव जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन, श्री तिलोकचंद डागा एवं श्री विश्वम्भर नेवर विशेष रूप से मौजूद रहे।

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता • रविवार • 1 अप्रेल, 2007

सम्मान.. समारोह.. लोकार्पण

सम्मान

किरण बेदी को 'विदुला सम्मान' से सम्मानित करते दिनेश चंद्र वाजपेयी। साथ में हैं राजगोपाल सुरेका, रतन शाह व अन्य।

समारोह

राजस्थान दिवस समारोह में अपनी कला का जौहर दिखाते कलाकार। पत्रिका

चुनौतियों और संघर्ष से ही मिला मुकाम : किरण बेदी

लोकार्पण

पुस्तक लोकार्पण समारोह में अरुण मल्लावत, जुगल किशोर जैथलिया, प्रह्लाद राय गोयनका, ललित किशोर चतुर्वेदी और सुरेन्द्र कुमार लाठ। पत्रिका

खींच लाया माटी का मोह

चुनौतियों और संघर्ष ने ही मुझमें आत्मबल, विश्वास और जीतने की लालसा जगाई। इसी वजह से ही मैं आज इस मुकाम तक पहुंच पाई हूं। मेरा मानना है कि जीवन को जितना जल्दी समझा जाए, उतना अच्छा होता है। इससे व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कठिनाई नहीं होती। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी ने शनिवार को यह मंतव्य व्यक्त किया। शिक्षण एवं ज्ञान के क्षेत्र में 1964 से कार्यरत संस्था विकास की ओर से शनिवार को प्रथम महिला अधिकारी, लेखिका व समाजसेवी डॉ. किरण बेदी को विदुला सम्मान से सम्मानित किया गया। राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक दिनेश चन्द्र वाजपेयी ने यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान लेते हुए किरण ने कहा कि यह सम्मान मुझे मेरी मां को याद दिला रहा है। जिस तरह महाभारत की नायिका विदुला ने अपने बेटे को निर्भिकता का पाठ पढ़ाया और प्रतिस्पर्द्धा का भाव जगाया उसी तरह मेरी मां ने भी मुझे सदैव सद्भावों के साथ आगे बढ़ते रहने की शिक्षा दी। वाजपेयी ने किरण बेदी को युग प्रवर्तक की संज्ञा देते हुए कहा कि वे युवाओं को प्रेरित कर रही हैं। अपने कर्तव्य पर आगे बढ़ते हुए किरण ने नारी मनोबल, चारित्रिक दृढ़ता, निर्भिक-साहसी व निडरता को भारत की नारी के रूप में पारिभाषित किया। इससे पहले कार्यक्रम संयोजक तथा विकास के पूर्व अध्यक्ष रतन शाह ने विदुला सम्मान की सार्थकता, वाजपेयी के सशक्त व्यक्तित्व और उसमें छिपे सहृदय भाव, किरण बेदी की बहुआयामी प्रतिभा से सबको परिचित कराया।

विकास के अध्यक्ष राजगोपाल सुरेका ने अतिथियों का स्वागत किया, सचिव नौरतन भंडारी ने विकास का संक्षिप्त परिचय दिया, कार्यक्रम सचालन श्याम सुंदर बगड़िया ने किया और बी.एल. अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

संस्कृति व परंपरा का सटीक निर्वहन : ललित किशोर चतुर्वेदी

कोलकाता, 31 मार्च (कास.)। महाराणा प्रताप की जन्मस्थली राजस्थान का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। प्रवासी राजस्थानी जहां भी रहे वहां अपनी संस्कृति और परम्परा का निर्वाह किया। स्वतंत्रता से लेकर अभी तक के इतिहास में राजस्थानियों की भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। राजस्थानी भाषा के गीत आज भी मुर्दों में जान फूंकने की क्षमता रखते हैं। राज्यसभा के सांसद ललित किशोर चतुर्वेदी ने राजस्थान के 59 वें स्थापना दिवस पर राजस्थान परिषद् कोलकाता के शनिवार को बंगाल चेम्बर ऑफ कामर्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा को आज भी अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। जो राजस्थानी लोगों के साथ काफी अन्याय है। राजस्थान का इतिहास है कि वे निर्माण और विकास के प्रति काफी जागरूक रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को आश्वासन दिया कि राजस्थानियों की समस्याओं को वे यूपीए सरकार के सामने रखेंगे। इस अवसर पर उन्होंने स्मारिका पुस्तक का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष जुगल किशोर जैथलिया ने राजस्थान के इतिहास के पुनर्लेखन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कर्नल टाड और ग्रियर्सन के इतिहास में ही राजस्थानी गौरव को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा राजस्थानी जहां भी गए वहीं के हो गए। समारोह में राज्यसभा के सांसद सुरेन्द्र कुमार लाठ, ललित किशोर चतुर्वेदी, पूर्व विधायक एवं समाजसेवी सत्यनारायण बजाज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'अम्बु कृष्णायन' का लोकार्पण

राजस्थानी विद्वान व शोधकर्ता अम्बु शर्मा के नवप्रकाशित हिन्दी महाकाव्य 'अम्बु कृष्णायन' का शनिवार को राज्यसभा के सांसद ललित किशोर चतुर्वेदी ने किया। शर्मा का अंग्रेजी शोधग्रन्थ 'मैन्युस्क्रिप्ट्स ऑफ राजस्थान' एशियाटिक सोसाईटी प्रकाशित कर चुकी है। वे पिछले 35 वर्ष से मासिक पत्र जैणसी का सम्पादन व प्रकाशन कर रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित राजस्थानी कृति 'अम्बु रामायण' नामक महाकाव्य है। इस महाकाव्य के विभिन्न खण्डों का विभिन्न मंचो से डा. मुरली मनोहर जोशी, डा. प्रतापचन्द्र चन्दर, वसुंधरा राजे सहित अन्य गणमान्य कर चुके हैं। अभी तक शर्मा की पन्द्रह से ज्यादा हिन्दी, राजस्थानी व अंग्रेजी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

लोकार्पित पुस्तक लेखक अम्बु शर्मा को भेंट करते ललित किशोर चतुर्वेदी। पत्रिका

कोलकाता, 31 मार्च (का.स.)। समारोह की सफलता उसके प्रशसकों और वहां उमड़ने वाली भीड़ पर निर्भर करती है। इस दृष्टि से राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर का राजस्थान दिवस समारोह का दूसरा दिन भी काफी उत्साहजनक रहा। बंगाल रोइंग क्लब में उत्सव परिसर मिनी राजस्थान बन गया। आज के फूड फेस्टिवल में हर एक व्यंजन को कुछ खास तरह का स्वाद देने का प्रयास किया गया। चकली, कैर सांगरी, चीना घेवर, खीचड़ा और बेजड़ की रोटी को जोधपुर के खानसामा बीरबाराम ने शाही अंदाज में परोसा। मखमली आवाज और भाव-भंगिमाओं का नृत्य भी चरम पर था। वंदना अग्रवाल की एंकरिंग ने उत्सव को भाषा की रंगत में रंग दिया।

इनका कहना है

यह तो एक खूबसूरत प्रथा है, जो प्रवासी राजस्थानियों के दिलों में धरा का प्रेम जगाती रहेगी।

- हरी मोहन बांगड़,
उद्योगपति एवं अध्यक्ष, राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर

यह एक प्रयास है दिलों को जोड़ने का, हमारी युवा पीढ़ी को मारवाड़ी संस्कृति से रूबरू कराने का।

- संदीप भूतोड़िया, सचिव,
राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर

बंगाल की धरा पर रजवाड़ी परिवेश को जीवंत करना वाकई काबिले तारीफ है। इससे हमारी युवा पीढ़ी को अपने राजस्थानी कल्चर को जानने-समझने का अच्छा मौका मिला है।

- हरि प्रसाद बुधिया, उद्योगपति एवं समाजसेवी

लोक कला के साथ मारवाड़ी व्यंजनों की मिठास उत्सव को पिछले वर्षों के आयोजनों से अलग बता रही है। ऐसे ही कार्यक्रमों से राजस्थान को अन्य राज्यों में अपनी एक विशेष पहचान मिलेगी। राजस्थान दिवस समारोह एक सेतु है। यह हमारे रीति-रिवाजों को अन्य राज्यों की संस्कृतियों के साथ जोड़ता है।

-रवि पोद्दार,
उद्योगपति एवं समाजसेवी

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता • चैत्र शुक्ल पक्ष 14 संवत् 2064, रविवार 1 अप्रैल 2007

राजस्थान फाउंडेशन के राजस्थान दिवस समारोह में राजस्थानी कलाकार जलवा बिखेरते हुई। (पृष्ठ तीन भी देखें) -फोटो : छपते छपते

राजस्थान दिवस पर स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ सांस्कृतिक आयोजन

कोलकाता, 31 मार्च (संवाददाता)। समृद्ध राजस्थानी कला एवं संस्कृति के महत्व को महानगर में बसे प्रवासी राजस्थानियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान फाउंडेशन ने शुक्रवार को चार दिवसीय राजस्थान दिवस की शुरुआत की। किसी भी औपचारिकता के बगैर कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान से आये लोक गायकों ने अपने मधुर

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, रविवार
1 अप्रैल, 2007
कोलकाता संस्करण

समारोह में राजस्थानी लोकगीतों पर झूमे श्रोता

जागरण संवाद, कोलकाता : राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की रंगारंग छटा बिखेरते राजस्थान दिवस समारोह के तहत रवींद्र सरोवर स्थित बंगाल रोइंग क्लब के मुक्ताकाश में लोक कलाकारों ने राजस्थानी गीतों व लोक नृत्यों की प्रस्तुति कर उपस्थित प्रवासी लोगों को उनके गौरवशाली संस्कृति की याद दिलायी। समारोह की शुरूआत में लोकगीतों की प्रस्तुति में हारमोनियम पर मुल्तान खान व स्माइल खान, ढोलक पर रोशन खान व बरकत खान, कमाइचा पर कते खान, बीएन कमीर खान, करताल पर बाबू खान ने संगत की। श्रोता लोक संगीतों को सुनकर मंत्रमुग्ध हुए। साथ ही राजस्थानी व्यंजन बाजरे का खिचड़ा, राजस्थानी कुल्फी, बाजरे का चूरमा, मेवाड़ी चूरमा, जोधपुरी मावा कचौड़ी, बीकानेरी कोजी बड़ा, सांगरी का साग, बेजड़ और बाजरे की रोटी के साथ लोगों ने राजस्थानी रसोई का स्वाद चखा। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी जीके गोस्वामी ने बताया कि फेस्टिवल के लिए खासतौर पर राजस्थान के खानसामा लजीज व्यंजन का स्वाद चखाकर लोगों को राजस्थान की लोक पाक शैली की जानकारी दे रहे हैं। राजस्थानी लोक पाक शैली धीरे-धीरे विलुप्त हो रही है। राजस्थान दिवस के मौके पर राजस्थानी जीवन शैली, लोक संस्कृति, साहित्य, आर्ट व क्राफ्ट को प्रस्तुत कर वैश्विक स्तर पर हम राजस्थान की पहचान दिलाना चाहते हैं। राजस्थान दिवस समारोह के दूसरे दिन राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, मानद सचिव संदीप भूतोड़िया, बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तपड़िया व सचिव अजय काजड़िया उपस्थित थे।

करतब

करतब दिखाता कलाकार — जागरण

SUNDAY

APRIL 1, 2007

RIOT

Celebration
Liz and Ar
Kolkatans
dours of Rajasthan
brates Rajasthan D
the Rajasthan Four
Chapter, the four-d
unveiled at the Ber
And within a few r
feeling that we hav
been transported
to the magical
and mystical

31(A)

TIMES
Bennett, Coleman & Co., Ltd.

Subrata Kotal

OF COLOURS

GP Kusum

Sundeep Bhutoria

alore: Move over , it is time for enjoy the splen- the city cele- Organised by ition Kolkata festival was l Rowing Club. utes we got the land of Rajasthan. Right from the mouthwatering cuisine that included *churma, gajak, mawa kachori, mewa khichdi, dal ka halwa et al* to the mindblowing cultural performances to the colourful handicrafts — Rajasthan was really close at hand.

The Telegraph

CALCUTTA SATURDAY 31 MARCH 2007

Meals on wheels

Imagine how difficult it must be to cook on a moving train. And yet, chefs Porish Adhikari and Sageer Khan do just that on the most stylish train on the tracks. The duo, as well as chef Birma Ram from the Ghoomer Hotel, Jodhpur, is in town for the Rajasthan Foundation's four-day festival that will showcase the cuisine, culture and colours of the desert land at Bengal Rowing Club.

The Bengali cook Adhikari — whose ancestors were apparently invited by Gayatri Devi to Jaipur many years ago — stirs up dishes aboard the luxury train Heritage on Wheels, while Khan works on Palace on Wheels. "It's pretty risky, especially when you have to handle soups or you're removing rice from the fire, at so many km an hour," admits Adhikari, who joined Heritage on Wheels when it started out in February 2006.

Around 75-80 per cent of the travellers are foreigners and NRIs, so the train menu boasts Continental, Indian and Rajasthani cuisine and food that is also region-specific. "Nowadays even foreigners demand spicy food. Some of them consume four or five chillies with a meal!" smiles Adhikari. There's plenty of scope for fun, too. "I remember the time Akshay Kumar and Kareena Kapoor were shooting on the train for the film *Talaash*. Everyone was so excited," recalls Khan.

The Heritage on Wheels train has 14 saloons, two restaurants with 60 covers and a well-stocked bar-cum-lounge area. The Palace on Wheels is its more affluent cousin, with six-figure prices, capacity for 120 people and superlative service. The Heritage travels the lesser-explored Shekhawati region. "There is a waiting list till 2010 on the Palace on Wheels. The Heritage on Wheels is a new project and is catching on," says G.K. Goswami of Rajasthan Tourism Development.

When the trains roll into the shed for a four-month break from May to August, the chefs chug their way home. "On the train, I enjoy sound sleep but as soon as I'm home, I hardly get any because I'm still moving," laughs Khan.

They can't wait to get back on track.

Karo Christine Kumar

The three chefs. Picture by Rashbehari Das

JODHPUR GATTA CURRY

Whip up this princely dish that's served aboard the luxury trains:

INGREDIENTS

100 gram flour
Cumin seeds (to taste)
Coriander seeds, half tsp
Saunf, half tsp
Turmeric powder (to taste)
Ajwain (to taste)
Curd, 50 g
Oil, 20 g

METHOD

Mix the cumin seeds, coriander seeds, *saunf*, turmeric powder and *ajwain* with the gram flour. Knead the mixture into soft dough with the help of some water and the oil. Boil the roll of dough in a covered pan. Do not throw the water after boiling, it will be used for making the gravy.

For the gravy, prepare a ginger-garlic paste with red chilli (freshly ground), turmeric powder, coriander seeds and 50 g curd with the water. Break the roll of dough into tiny pieces (just like you would put in pieces of *paneer*) and place in the gravy. Garnish with fresh coriander leaves and dig in.

THE ASIAN AGE
WEEKEND EDITION
Kolkata Saturday 31 March 2007

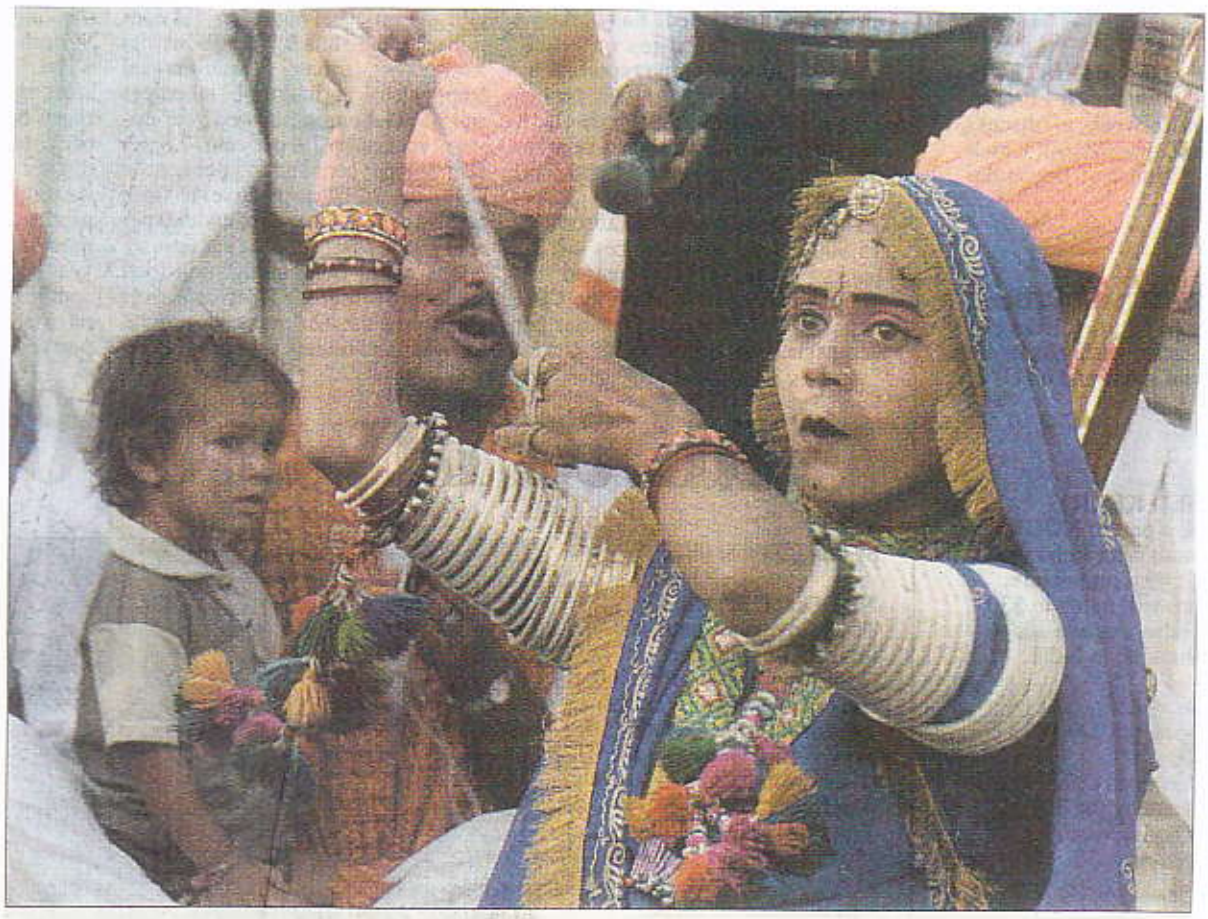

ETHNIC FARE: Rajasthani folk artistes perform at a city club on Friday. A photograph by Abhijit Mukherjee

THE TIMES OF INDIA

KOLKATA | SATURDAY, MARCH 31, 2007

IN STEP WITH TRADITION

Subhrajit Chandra

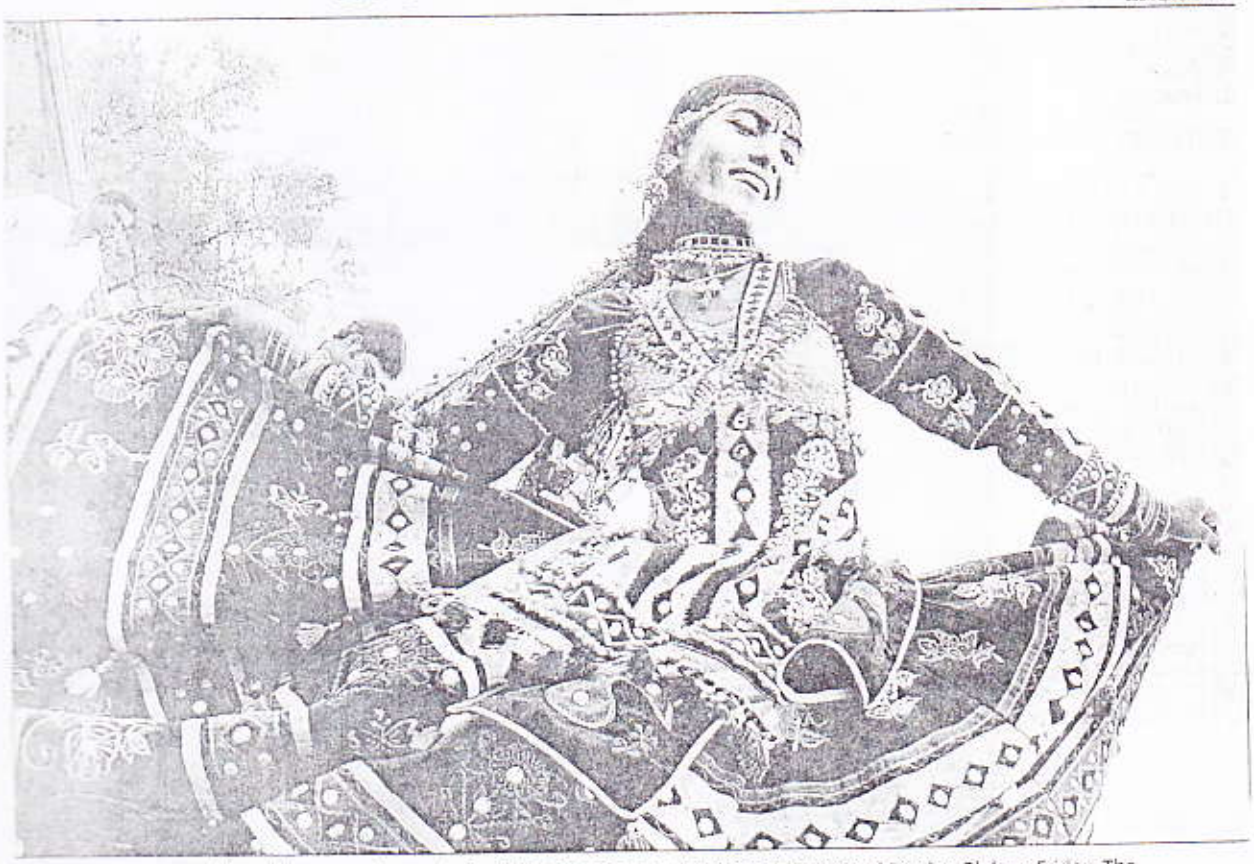

FLUID GRACE: A traditional dancer performs during Rajasthan Day celebrations at the Bengal Rowing Club on Friday. The festivities were organised by the Kolkata Chapter of the Rajasthan Foundation

ভারতে সর্বাধিক প্রচারিত প্রথম শ্রেণির বাংলা দৈনিক

আনন্দবাজার পত্রিকা

কলকাতা ১৬ চৈত্র ১৪১৩ শনিবার ৩১ মার্চ ২০০৭ শহর সংস্করণ

মরুভূমির ছন্দে। কলকাতার বুকে এক টুকরো রাজস্থান।— নিজস্ব চিত্র

বর্তমান

কলকাতা, শনিবার ৩১ মার্চ ২০০৭, ১৬ চৈত্র ১৪১৩

রে · স্তো · রাঁ · র খ · ব · র

পিজা হাট-এর নতুন উপহার 'ফোর কোর্স ট্রিট ফর টু'

পিজা নামটি শুনলেই টিন এজাররা নিশ্চয়ই সমস্বরে বলবে 'ক্রেজি কিয়া রে।' সত্যিই আজকের যুগে পিজার নামে সবাই পাগল। টিন এজারদের তো কথাই নেই। আর পিজা প্রেমীদের কাছে একান্তই একটি প্রিয় নাম 'পিজা হাট'। বিশ্বের বৃহত্তম পিজা চেন 'পিজা হাট' বাজারে আনল তাদের নতুন পিজা —'ফোর কোর্স ট্রিট ফর টু', দাম মাত্র ১৯৯ টাকা।

এই ফোর কোর্স মিলে আছে দুটি স্যুপ, এক পোর্শন গার্লিক ব্রেড, দুটি ভেজিটেরিয়ান পারসোনাল প্যান পিজা এবং দুটি ডেজার্ট। স্যুপের চয়েসে পাবেন অল টাইম ফেভারিট টোম্যাটো অ্যান্ড বেসিল স্যুপ এবং সম্প্রতি বাজারে আসা ক্রিম অব মাশরুম স্যুপ। পিজার চয়েসে পাবেন সিম্পলি ভেজ এবং ভেজি ক্রাঞ্চ পিজা। আর ৫০ টাকা বাড়তি দিয়ে আপনি ননভেজ পিজাও নিতে পারেন—চয়েস পাবেন ফায়ারি চিকেন এবং চিকেন টিক্কা। ডেজার্টে চয়েস পাবেন নিউ স্ট্রবেরি সান্ডি বা চকোলেট ফাজ সান্ডি অথবা ম্যাঙ্গো আইসক্রিম। 'ইয়াম'। রেস্তোরাঁ ইন্টারন্যাশনালে'র চিফ মার্কেটিং অফিসার অরবিন্দ মেডিরাত্তা বললেন, তাঁদের এই নতুন ফোর কোর্স মিল একটি সম্পূর্ণ মিল এবং ক্রেতাদের কথা ভেবে দামও নাগালের মধ্যেই রাখা হয়েছে।

যোগাযোগ: ২২৮১৪৩২৮-৩১

সিটি সেন্টারে নতুন মকটেল লাউঞ্জ 'কিক্স'

সিটি সেন্টারে স্পেশালিটি রেস্তোরাঁ প্রাইভেট লিমিটেড খুলল তাদের নতুন মকটেল ও ককটেল সেন্টার 'কিক্স'। স্পেশালিটি রেস্তোরাঁর চীনে খাবারের জনপ্রিয় রেস্তোরাঁ 'হাকা' এই সিটি সেন্টারেই রয়েছে। হাকার ঠিক পাশেই খোলা হয়েছে 'কিক্স'। বিশ্বকাপ ক্রিকেট উপলক্ষে এখানে এখন নানা ধরনের নতুন আইটেম রয়েছে। জায়ান্ট স্ক্রিনে খেলা দেখার ব্যবস্থা রয়েছে। কিক্সে ড্যান্সিং ফ্লোরও রয়েছে। টিন এজারদের মনপসন্দ মিউজিক তো রয়েইছে।

কিক্সে নানা ধরনের স্ন্যাক্সও পাবেন। ভেজে রয়েছে কটেজ চিজ চিলি সয়া, গোল্ডেন কর্ন নাগেটস, গোল্ডেন ওনিঅন রিংস, হাকা চিলি পোট্যাটোজ—দাম ৬৯-৭৯ প্লেট প্রতি। ননভেজে পাবেন গোল্ডেন চিকেন সুপ্রিম উইথ চিলি গ্লাম ডিপ (৫ পিস)—৯৫ টাকা, গোল্ডেন ড্রামস অব হেভেন (৪ পিস)—৬৯ টাকা, ফ্রায়েড চিলি চিকেন ৯৯ টাকা, চিলি সল্টে ফিশ—১০৯ টাকা, ক্রিস্পি ফিশ উইথ চিলি ক্লেকস অ্যান্ড পিপার—১০৯ টাকা, গোল্ডেন ফ্রায়েড প্রনস—১৩৯ টাকা, প্রনস সল্ট অ্যান্ড পিপার—১৩৯ টাকা।

কিক্স মেন সিলেক্সনে রয়েছে রাইস আর নুডলস। ভেজিটেবল অ্যান্ড ক্যাশুনাটস অন সফট্ নুডলস—১০৯ টাকা, ফায়ার ক্র্যাকার ভেজিটেবলস অন জিঞ্জার রাইস—১০৯ টাকা, সিংড়িং চিকেন অন সফট্ নুডলস—১১৯ টাকা, স্পাইসি চিকেন অ্যান্ড ভেজিটেবল অন জিঞ্জার রাইস—১১৯ টাকা। ডেজার্টে রয়েছে ব্রাউনি উইথ আইস ক্রিম—৬৯ টাকা, চকোলেট মাড পাই—৫৯ টাকা, ক্যারামেল কাস্টার্ড—৪৯ টাকা, চয়েস অব আইস ক্রিমস—২৬ টাকা।

সব কিছুর সঙ্গে যোগ হবে ট্যাক্স।

মকটেলে আছে ক্র্যানবেরি পাঞ্চ (ক্র্যানবেরি জ্যুস উইথ অরেঞ্জ জ্যুস), মিন্ট স্টর্ম (মিন্ট ফ্লেভারড লেমন ড্রিংক), ফ্রুট পাঞ্চ (অরেঞ্জ, পাইন্যাপল, ম্যাঙ্গো, ভানিলা আইস ক্রিমসহ), অ্যাব-রা- কা- ড্যা- বা- রা (স্ট্রবেরি, পাইন্যাপল এবং ব্লু কুরাকাও দিয়ে ম্যাজিক মকটেল), আলাস্কা (আইসি ব্লু কুরাকাও উইথ লেমন), ফ্রোজেন লিচি (লিচি ফ্লেভার্ড আইসি ক্রিস্টাল ড্রিংক), হ্যানয় ফিং (পাইন্যাপল, ম্যাঙ্গো উইথ রোজ ফ্লেভার), সেভেনথ হেভেন, পিনা কোলাডা (পাইন্যাপল ফ্লেভার্ড উইথ কোকোনাট), ট্রপিকাল রিফ্রেশার (ম্যাঙ্গো, গ্রিন অ্যাপল উইথ লেমনেড)। এই প্রত্যেকটি মকটেলের দাম ৯৫ টাকা। এছাড়া আছে ফ্রেশ লাইম সোডা—৪০ টাকা, আইসড টি—৫০ টাকা, নানা ধরনের জ্যুস—প্রতিটি ৬০ টাকা। কর আলাদা। কিক্সে নতুন ধরনের মকটেলের স্বাদ নিয়ে পাশেই হাকায় সারতে পারেন ডিনার। কিংবা স্ন্যাকস এবং মকটেল সহযোগে কিক্সেই সেরে নিতে পারেন সান্ধ্যকালীন আহার, কোজি পরিবেশে, গান শুনতে শুনতে।

যোগাযোগ:৩২৫১১২০৩

'রাজস্থান ডে সেলিব্রেশন—২০০৭'

রাজস্থান ফাউন্ডেশন কলকাতা চ্যাপ্টার উপহার দিচ্ছে রাজস্থান ফুড ফেস্টিভ্যাল। এই উৎসব চলবে চারদিন ধরে, ৩০ মার্চ থেকে ২ এপ্রিল। ৩০ ও ৩১ মার্চ বেঙ্গল রোয়িং ক্লাব-এ (লেকের কাছে) বিকেল ৪টে থেকে রাত ১০টা পর্যন্ত এবং ১ ও ২ এপ্রিল হিন্দুস্থান ক্লাবে (শরৎ বসু রোড ও এলগিন রোডের সংযোগস্থলে) বিকেল ৪টে থেকে রাত ১০টা পর্যন্ত। উৎসব উপলক্ষে রাজস্থান থেকে এসেছেন জয়পুরের হোটেল গাঙ্গুরের হেড কুক পরিতোষ মণ্ডল, যোধপুরের হোটেল ঘুমারের কুক বিরমা রাম, হেরিটেজ অন হুইলস-এর কুক পরেশ অধিকারী এবং প্যালেস অন হুইলস-এর কুক সাগির খান। অনুষ্ঠানের সময় পারফর্ম করবেন কাচ্চি ঘোরি, নট-নটনি এবং গ্রুপ আলগোজা।

রাজস্থান ট্যুরিজিম ডেভলপমেন্ট কর্পোরেশনের কলকাতার সি.আর.ও. ইনচার্জ জি কে গোস্বামী বললেন, এই উৎসবে পরিবেশিত হবে বিকানির, যোধপুর ও মেবারের নানা ধরনের ট্র্যাডিশনাল খাবার। স্পেশাল মেনুতে আছে মেথি মাঙ্গোরি, কাবুলি, বাজরে কা চুরমা, পঞ্চ-মেলা ডাল, ঘেওয়ার, কিপোরি, মেওয়াকে কচোরি, ভারাই পুরি, কির সাগরি, ডাল-বাটি চুরমা।

卐 ।। श्री हरिः ।। 卐

सन्मार्ग

कोलकाता
शनिवार 31 मार्च, 2007,

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

राजस्थान दिवस के मौके पर राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता की ओर से बंगाल रोइंग क्लब में आयोजित कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती कलाकार

राजस्थानी कलाकारों ने मचायी धूम

कोलकाताः अपने शरीर पर आग लगाना और मुंह में केरोसिन भरकर नृत्य करना कोई मजाक नहीं है। इस खतरनाक काम में आदमी की जान भी जा सकती है, लेकिन जयपुर से आये कलाकार बालचन्द राणा को आग के खेल से जरा भी डर नहीं है। आग से खेलना और लोगों का मनोरंजन करना ही उसकी कला और जीविका है। राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित राजस्थान दिवस समारोह में राजस्थान के ऐसे कई कलाकारों के करतबों से शुक्रवार को झूमता रहा रोइंग क्लब। एक ओर जहां राजस्थानी व्यंजनों की खुशबू तो दूसरी ओर राजस्थान की लोक कला ने राजस्थान के गौरवशाली इतिहास की याद ताजा कर दी। राजस्थान दिवस समारोह के प्रथम दिन इन कलाकारों व राजस्थानी व्यंजनों की धूम रही। इस मौके पर फाउण्डेशन (कोलकाता) के सचिव संदीप भूतोड़िया व फाउण्डेशन के समिति सदस्य तिलोक चन्द डागा ने बताया कि कोलकाता में 3 वर्ष से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद के अलावा यहां राजस्थानी कला व संस्कृति भी लोगों को आकर्षित करेगी। विभिन्न व्यंजनों के लिये खास तौर पर राजस्थान से शाही कलाकारों को बुलाया गया है। इस समारोह में कमायचा, खड़ताल, अलगूजा, मोरचन्द और बांसुरी जैसे पारम्परिक इन्स्ट्रूमेन्ट्स की सहायता से चकरी नृत्य, तेरहताली नृत्य, कालबेलिया नृत्य, मारवाड़ी नृत्य और राजस्थानी घूमर की अनोखी झलकियां पेश की गयीं। भरतपुर से आये राजनट ने रस्सी पर बांस लेकर व सिर पर चरी रखकर नृत्य किया। आगामी 1 व 2 अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब में राजस्थान दिवस समारोह आयोजित किया जायेगा। हिन्दुस्तान क्लब के सचिव जीवराज सेठिया ने बताया कि कोलकाता में कई राजस्थानी बसे हुए हैं। अपने कारोबार व सामाजिक कार्यों से उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनायी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से दोनों राज्यों की संस्कृति का आदान प्रदान होगा। इस कार्यक्रम में आये गणमान्य अतिथियों में सर्वश्री सुभाष हाडा, रमेश तापड़िया, अजय कासड़िया, नेपाल के वाणिज्य दूत गोविन्द कुसुम आदि मौजूद थे।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, शनिवार, 31 मार्च, 2007

राजस्थानी संस्कृति की झलक

राजस्थान दिवस समारोह में नृत्य पेश करतीं कलाकार.

कोलकाता : अपने कण-कण में वीरता की गाथा समेटे राजस्थान की संस्कृति का जीता जागता रूप आज रवींद्र सरोवर स्थित बंगाल रोइंग क्लब में दिखा.खुले आसमान के नीचे कच्ची घोड़ी का नृत्य,आग से खेलते चवाई कला, तेहरा ताल आदि देखकर दर्शक एक बार भूल गये कि वे कोलकाता में हैं. बाजरे की रोटी व कई स्वादिष्ट व्यंजन शिरकत करनेवाले लोगों को अपनी ओर खींच रहे थे. चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह की शुरुआत शाम चार बजे राजस्थानी कलाकारों ने अपनी कला दिखाकर की. क्लब के गलियारे में जयपुरिया रजाई, लकड़ी के बने रंग बिरंगे खिलौने व घरेलू उपयोग में लाये जानेवाले कई सामानों की प्रदर्शनी भी लगायी थी. इसका आयोजन राजस्थान फाउंडेशन द्वारा किया गया है. कार्यक्रम को सफल बनाने में संदीप भूताड़िया, जीवराज सेठिया, राजस्थान पर्यटन विकास निगम के सीआरओ जीके गोस्वामी सक्रिय दिखे.

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, शनिवार
31 मार्च, 2007
कोलकाता संस्करण

राजस्थानी रंग

जलवा बिखरते राजस्थानी कलाकार जागरण

शुरू हुआ रंगारंग राजस्थान दिवस समारोह

जागरण संवाद, कोलकाता : राजस्थान सरकार के पर्यटन उद्योग व राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बंगाल रोइंग क्लब में राजस्थान दिवस समारोह शुरू हुआ। समारोह 31 मार्च तक बंगाल रोइंग क्लब व 2 अप्रैल तक हिंदुस्तान क्लब में चलेगा। समारोह में राजस्थान के 13 जिलों के 80 लोग कलाकार विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति करेंगे। रोइंग क्लब में आयोजित भोजन महोत्सव तथा राजस्थानी आर्ट व क्राफ्ट की प्रदर्शनी सह बिक्री मेला लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है। राजस्थानी व्यंजनों का दुनिया भर स्वाद चुके सेफ पोरेस अधिकारी महोत्सव में बीकानेरी बाटी मसाला, मेथी मंगुरी, चुरमा, गजक, जोधपुरी बेसन गटढा, भरवा मिर्च, लस्सी, मावा कचौड़ी, मेवड़ी कैर किशमिश, मावा खिचड़ी, दाल का हलवा व तिलपापड़ी का स्वाद महानगर वासियों को चखायेंगे।

- 13 जिलों के 80 लोक कलाकार कर रहे शिरकत

आर्ट व क्राफ्ट की प्रदर्शनी सह बिक्री मेला में प्रकृति हर्बल उत्पाद, कोटा डोरिया साड़ी, जोधपुरी व जयपुरी रजाइयां, रूडा से निर्मित हेंगर, कप, दीपक, बाटी, जर्मन सिल्वर से निर्मित आसन, कुर्सियां, प्लेट व दीपक को देखने व खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। जयपुर से इस महोत्सव में भाग लेने आये लोक कलाकार सिद्धि विनायक मिमानी ने बताया कि राजस्थानी लोकनृत्य का अपना सांस्कृतिक महत्व है। राजस्थान महोत्सव सप्ताह भर तक देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होता है। हम सब कलाकार नृत्य व माड़ प्रस्तुत कर लोगों को राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति से परिचित करते हैं। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी जौके गोस्वामी ने बताया कि चार दिवसीय राजस्थान महोत्सव में लगभग 5 हजार लोग राजस्थानी भोजन का लुत्फ उठायेंगे व राजस्थान की लोक संस्कृति को देखेंगे।

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता • शनिवार • 31 मार्च, 2007

राजस्थानी रंग

शुक्रवार को राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के राजस्थान दिवस समारोह में बंगाल रोइंग क्लब में लोक प्रस्तुति देते राजस्थान से आए कलाकार। पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता • शनिवार • 31 मार्च, 2007

लोकनृत्य शुक्रवार को बंगाल रोइंग क्लब में राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर की ओर से आयोजित राजस्थान दिवस

लोक नृत्य पर झूमे, व्य

राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर का राजस्थान दिवस समारोह

कार्यालय संवाददाता
कोलकाता, 30 मार्च।

हाड़ौती का चाकरी, जोधपुर का कालबेलिया, बीकानेर का झूमर, जयपुर का भिवाई नृत्य और लजीज राजस्थानी व्यंजनों के फेस्टिवल के साथ कोलकाता में शुक्रवार से राजस्थान दिवस समारोह शुरू हुआ। पूरी तरह राजस्थानी संस्कृति में रचा-बसा यह समारोह अपने पहले ही दिन आगन्तुकों के दिलो-दिमाग पर छा गया। प्रवेश द्वार से लेकर मंच तक धोरा री धरती की एक-एक खास पहचान को सजावट में समेटने का प्रयास किया गया। लोक गीत-संगीत और व्यंजनों के बीच मारवाड़ी हस्तकला, शिल्प और कपड़ों की स्टॉल्स समारोह में भीड़ को आकर्षित करती रही। राजस्थानी सांस्कृतिक विरासत की रंगारंग छटा बिखेरता राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर का यह समारोह रवीन्द्र सरोवर स्थित बंगाल रोइंग क्लब के मुक्ताकाश में आयोजित किया गया। पहले दिन समारोह की शुरुआत स्वर, संगीत और धुनों की मुग्ध छटा के साथ हुई। बांरा से आई भगवान सिंह एण्ड पार्टी के चाकरी नृत्य से लोक गीत संगीत का दौर सजने लगा। हाड़ौती कला मंदिर की इस प्रस्तुति के साथ इधर उधर घूमते लोग मंच के इर्द-गिर्द जम गए। बाकी बचे लोगों को जोधपुर के कालबेलिया नृत्य ने खींच लिया। सुरनाथ के साथ आए इस आठ सदस्यीय ग्रुप के नृत्य और गीत पर दर्शक के पांव भी थिरकने लगे। पाली से आए दुर्गा देवी तेरालाल और उनके समूह के लोक गीत 'हलो सुनो रामा पीर ' की धुन पर एक बारगी श्रो भक्तिमय हो गए। उसके बाद नागौर खेर, जयपुर के बालचंद का भवाई, फा नृत्य समारोह को पल-पल खुशगवार बना गया। राजस्थान सरकार के पर्यटन और उद्यो विभाग के सहयोग से कोलकाता में कार्यक्रम चार दिन तक चलेगा। कार्यक्र का उद्देश्य चार दिन तक प्रदेश की सांस्कृति विरासत से रूबरू कराना है। उत्सव श ढलने के साथ-साथ अपने चरम पर पहु गया। बच्चे, युवा और बड़ों ने अपनी- अप मित्र मंडलियों के बीच मगन होकर समारो का लुत्फ उठाया। बच्चों के लिए यह खास उत्साहित रहा। बंगाल रोइंग क्लब में परिवेश बनाया गया वह शायद बच्चों के लि किसी कल्पना से कम न हो। शुक्रवार कार्यक्रम में राजस्थान फाउंडेशन कोलका

720

रोह के दौरान घरी नृत्य करते लोक कलाकार, प्रवेश द्वार पर कद्दी घोड़ी लोक नृत्य करता कलाकार व फायर नृत्य करता बालचंद राणा।

जनों पर लगाए चटकारे

के सचिव संदीप भूतोड़िया, बी. डी. सुरेका, तिलोक चंद डागा, बंगाल रोईंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया आदि कई लोगों ने शिरकत की। 1और 2 अप्रेल को यह समारोह हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित होगा।

स्वाद प्रेमियों ने चटकारे लगाए

जोधपुरी माबा कचौरी, बीकानेरी काजी बड़ा, मेवाड़ी चूरमा-बाटी देखकर भला कौन न ललचाए। समारोह में लगाए गए फूड फेस्टिवल में राजस्थानी व्यंजनों की झड़ी लगी रही। बाजरे का चूरमा, गुलाब का चूरमा, जरी पल्ली का चूरमा, कांजी बड़ा, पंचमेल दाल, मेवा बाटी, आलू बाटी, सत्तु बाटी, बाजरे की खिचड़ी, चीना घेवर, तेहरी, कैर सांगरी का साग, बेजड और बाजरे की रोटी के साथ मेहमानों ने राजस्थानी रसोई का स्वाद चखा। राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंधक प्रमोद गर्ग ने बताया कि फेस्टिवल के लिए खासतौर पर राजस्थान के खानसामाओं को आमंत्रित किया गया है। इनमें पैलेस ऑन व्हील, हैरिटेज ऑन व्हील के सैफ के साथ जोधपुर के घूमर होटल के प्रमुख बिरमा राम और जयपुर के होटल गणगौर के परितोष मंडल कोलकाता आए हैं।

मेंहदी लगवाई, भाग्यफल जाना

समारोह को यादगार बनाने के लिए कई कलात्मक स्टॉल्स लगाई गई। हस्त कला, शिल्प और कपड़ों के साथ मेंहदी, फोटो कॉर्नर और ज्योतिष की भी स्टॉल लगाई। युवतियां जहां हाथों में लगवा रही थीं वहीं महिला-पुरुष अपना भविष्य जानने में मशगूल थे। बच्चे बड़ों की गोद में बैठकर फोटो खिंचवा रहे थे। सजावट के लिए लगाए गए स्टेच्यु बच्चों के खिलौनों के रूप में काम आ रहे थे।

भवाई और फायर ने जगाया कौतुहल

नृत्य, गीत, संगीत के साथ बालचंद राणा के भवाई और फायर ने लोगों को कौतुहल में डाल दिया। पांव से कांच का गिलास तोड़ना, मुंह में केरोसिन डालकर आग उगलना दर्शकों के लिए किसी हैरतअंगेज करामात से कम नहीं लग रहा था। जयपुर से आए बालचंद ने बताया कि वह सिर पर तगड़ी रखकर और उसमें आग जलाकर चाय बनाने, दूध उबालने की भी हैरतअंगेज कला जानते हैं। इस सिलसिले में वह आधी दुनिया का सफर तय कर चुके हैं। इस तरह 66 वर्षीय राणा आग से खेलते हैं।

42(B)

दैनिक
विश्वमित्र
सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समाचार
कोलकाता, चैत्र शुक्ल १३, सम्वत् २०६४, शनिवार ३१ मार्च, डाक १ अप्रैल २००७

रंगीलो राजस्थान ने जमाया रंग

कोलकाता, ३० मार्च (नि.प्र.)। राजस्थान से आये कलाकारों ने आज यहां ऐसा समां बांधा कि कोलकाता महानगर में मरूभूमि की माटी की खुशबू समा ही गयी। राजस्थान दिवस के अवसर पर बंगाल रोइंग क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर लोगों को राजस्थान पहुंचने का एहसास हो रहा था। कोलकाता में राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय कार्यक्रम का आज पहला दिन था। राजस्थान से आए ८० कलाकारों ने अपने-अपने से ढंग से राजस्थान की झांकी को प्रस्तुत किया। एक ओर जहां कलाकार लोकनृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह रहे थे, वहीं दूसरी ओर राजस्थान के स्वादिष्ट व्यंजन लोगों को ललचा रहे थे। यहां पर कलाकारों ने विभिन्न तरह का लोकनृत्य पेश किया। पारंपरिक राजस्थानी वेषभूषा में सजे कलाकार वहां की सुन्दर तस्वीर पेश कर रहे थे। यहां कालबेलिया नृत्य, कच्छी घोड़ी, अलगोजा इत्यादि का आयोजन किया गया। राजस्थान से आई चार महिलाकारों ने अपने सिर पर दो कलशों को रखकर तेरह ताल नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ ही मुंह से आग निकालते हुए भवानी नृत्य को प्रस्तुत किया। पुरुष कलाकारों ने लोकगीतों को गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नट-नटनी का नृत्य भी देखने को मिला।यहां आगन्तुकों के लिए स्वादिष्ट, बीकानेरी, जोधपुरी एवं मेवाड़ी व्यंजनों को परोसा गया। इन व्यंजनों को खास तौर से राजस्थान कसे आए रसोइयों परितोष मंडल, चौरयां राम, पोरिश अधिकारी एवं सागीर खान की देखरेख में तैयार किया गया था।

क्लब में आयोजित 'रंगीलो राजस्थान' में राजस्थान की संस्कृति व रहन-सहन साफ नजर आ रही थी। इस लोगों को मीठी मंगोसी, काबुली, बाजरे का चूरमा, पंच मेल दाल, घेवर, तिपोरी, मेवा की खिचड़ी, चराईपुरी, खीर सांगरी, दाल बाटी-चूरमा व छाछ रबड़ी परोसी जाएगी। यह कार्यक्रम यहां शनिवार तक चलेगा। रविवार से 'राजस्थान दिवस समारोह' का आयोजन हिन्दुस्तान क्लब में किया जाएगा। इस दिन राजस्थान की विविधता साफ झलक आएगी। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन के मानद सचिव संदीप भूतोड़िया, बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया एवं मानद सचिव अजय काजड़िया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दैनिक
विश्वमित्र
सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समाचार
शुक्रवार ३० मार्च, डाक ३१ मार्च २००७

राजस्थान दिवस समारोह की तैयारियों की जानकारी देते हुए हिन्दुस्तान क्लब के सचिव जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन, संयुक्त सचिव सुधीर सतनालीवाला तथा राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता की कार्यकारिणी सदस्य श्री तिलोकचंद डागा। दूसरी तरफ विश्व प्रसिद्ध ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स के रसोइये श्री परितोष अधिकारी अपने साथियों के साथ। -विश्वमित्र

आज से महानगर में मरुभूमि की झांकी

कोलकाता, २९ मार्च (नि.प्र.)। कलाकार अपनी प्रतिभा के साथ-

परिचित कराने के लिए राजस्थान फाउण्डेशन कल से महानगर में राजस्थान दिवस समारोह का आयोजित करेगा। २ अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कोलकाता सहित पूरे पश्चिम बंगाल के लोग राजस्थान को करीब से समझ सकेंगे। इसके साथ ही वहां के स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठा सकेंगे। खाद्योत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन ३० एवं ३१ मार्च को बंगाल रोइंग क्लब (रवीन्द्र सरोवर) एवं १ तथा २ अप्रैल को शरत बोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में किया जाएगा। आज यहां हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चार दिनों तक चलनेवाला यह मेला सचमुच राजस्थान की आत्मा की भांति होगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार कोलकाता में जयपुर से अधिक राजस्थानी निवासी करते हैं। कोलकाता में ३५ लाख तथा जयपुर में ३० लाख राजस्थानी रहते हैं। इसलिए इस कार्यक्रम का महत्व यहां और बढ़ जाता है। इसमें भाग लेने वाले मरुभूमि की आलीशान एवं वैविध्यपूर्ण संस्कृति के प्रत्यक्षदर्शी बनेंगे। श्री भूतोड़िया ने राजस्थान के दाल-बाटी-चूरमा, पापड़, पकौड़ी, गट्टा, सांगरी, पंचकुट्टा, खीर जैसे कई व्यंजनों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पर कई ऐसे पकवान हैं जो सिर्फ त्यौहारों पर ही बनते हैं, उन्हें भी इस दौरान पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन चार दिनों में ८० माह लेंगे। राजस्थान फाउंडेशन के समिति सदस्य श्री तिलोक चंद डागा ने बताया कि यह समारोह एक यादगार समारोह होगा। इसे सफल बनाने के लिए सभी सदस्य प्रयासरत हैं। इस अवसर पर हिन्दुस्तान क्लब के सचिव श्री जीवराज सेठिया ने बताया कि क्लब में आयोजित होनेवाले समारोह को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस कार्यक्रम को लेकर क्लब के सदस्यों में खासा उत्साह है। इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के नगर प्रवक्ता जी. के. गोस्वामी, हिन्दुस्तान क्लब के सह सचिव सुधीर सतनाली वाला, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन व राजस्थान से रसोइयों का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रमोद गर्ग भी उपस्थित थे। यहां फिलहाल तीन रसोइये परितोष अधिकारी, बीरमा राम व सगीर पहुंच गए हैं। पोरिश हेरिटेज ऑन व्हील्स एवं सगीर पैलेस ऑन व्हील्स के मुख्य शेफ हैं। कल दो और शेफ कोलकाता पहुंच जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सायं ४ बजे से रात्रि १० बजे तक होगा। प्रवेश शुल्क ५० रुपये रखा गया है। भोजन की कीमत १५० रुपये होगी। इस अवसर पर बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश कुमार तापड़िया ने कहा कि उनके क्लब को इस तरह के आयोजन करने में काफी खुशी है और कार्यक्रम के आयोजन के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस समारोह का यह आयोजन राजस्थान फाउंडेशन, बंगाल रोइंग क्लब व हिन्दुस्तान क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष श्री रमेश तापड़िया।

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता • शुक्रवार • 30 मार्च, 2007

विरासत री ओलख

राजस्थान की सही पीड़ा जानने वाले व उसके लिए संघर्ष करने वाले लोगों के लिए इस वर्ष के राजस्थान दिवस का विशेष महत्व है। गत 14 व 15 दिसम्ब को राजस्थानी का प्रथम अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन जयपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री ने घोषणा की कि राजस्थानी भाषा संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने की सिफारिश को सैद्धान्तिक स्त पर स्वीकार कर लिया गया है। शायद कविवर कन्हैयालाल सेठिया की पीड़ा अब दूर हो जाएगी, जिन्होंने लिखा था-खाली धड़ की कद हुवै चेरै बिना पिछा राजस्थानी के बिना क्यां को राजस्थान। राजस्थान दिवस के मौके पर राजस्थ की विरासत को याद कर रहे हैं लेखक-चिंतक रतन शाह।

एक जीवन की अवधि पर्याप्त नहीं है राजस्थान को जानने के लिए- मृणाल सेन द्वारा बोला गया यह वाक्य राजस्थान के संगीत और संवेदना भरे वातावरण की स्वीकृति है। वर्षों तक राजस्थान के आम आदमी को आजादी की दुहरी लड़ाई लड़नी पड़ी। स्थानीय स्तर पर सामंती प्रथा और राष्ट्रीय स्तर पर फिरंगियों के विरुद्ध। यह संघर्ष की कहानी कोई बहुत पुरानी नहीं है, परन्तु इसे दोहराया जाना जरूरी है। राजस्थान के इतिहासकारों में कर्नल टाड का नाम सबसे पहले आता है। साथ ही आता है 30 वर्षीय इटली के शोध छात्र टेसीटैरी का नाम, जिसने राजस्थानी व्याकरण तैयार करते हुए एलान किया था- इस भाषा में लिखे हुए हजारों ग्रन्थों के शब्द, शब्द नहीं है, वरन मंत्र है, जो आदमी को अपनी जिन्दगी जीने की घूंटी जन्म से ही पिलाती है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदानों की कथा का अपना अलग इतिहास है। केसरी सिंह, जोरावर सिंह एवं प्रताप सिंह बारहठ आजादी की लड़ाई में कीर्ति पुरुष थे। इतिहास की पगडंडी पर विजय सिंह पथिक का बिजौलिया किसान आन्दोलन साफ नजर आता है, जो किसान आन्दोलन का श्रीगणेश था। 1947 की आजादी के पहले जो इस यात्रा पर बढ़े थे, उन अनगिनत लोगों के नामों में जयनारायण व्यास और माणिक्यलाल वर्मा के नाम भी महत्व रखते है।

ये और अब बांका धणी
थोड़ा दिन मेहमान
माणक जनता जागगी
सुण ऊंचा कर कान
रे! रंगरसिया राजा
कांई तो सूतो रे गाढ़ी नींदली
- **माणिक्यलाल वर्मा**

पांव में जंजीरे हाथों में हथकड़ियाँ
मातृभूमि पर बलि होने को देख
रहा मैं घड़ियाँ
देख देख मां दशा तुम्हारी मेरी
आंखों से
मोती सदृश टपक पड़ी आंसू
की लड़ियाँ।

राजस्थान की धरती पर पानी नहीं, पर यहां के मिनखों में पानी है। यहां की आबोहवा में कलाकार सहज रूप में खो जाता है। सुबह-सुबह डोरियों द्वारा कुएं से पानी निकालते कीलिया, तड़काऊ की पीसी जाने वाली चक्की और बिलोये जाने वाले दही में ऊंची-नीची होती मथनी सभी में एक निश्चित लय और श्रम की छुपी हुई झंकार होती है। राजस्थान का यह संगीत वैविध्यपूर्ण होने के साथ-साथ हद लुभाने वाला है।

हड़प्पा और सिन्ध की सभ्यता से भी पहले इस भरत-भूमि पर कुछ ऐसा विकास हुआ था, जो अपने आप में अद्भुत था। ताम्र सभ्यता का इतिहास खेतड़ी की खानों के अस्तित्व के बिना तर्क के स्तर पर धराशायी हो जाता है। स्थापत्य कला के बारे में यहां के मंदिरों का कोई जवाब नहीं है। निहाररंजन रे ने एक भाषण में कहा था कि- बिना राजस्थान जाए स्थापत्य कला की किसी भी विद्या का अध्ययन अधूरा ही नहीं, अपंग है। राजस्थान दिवस यही सोचने का दिन है।

गौरवशाली समाज

कलकत्ता के महाजाति सदन की दीवारों पर लगे हुए क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता संग्रामियों के सौ से भी अधिक तैल-चित्रों में बीस-बाईस चित्र मारवाड़ी समाज के लोगों के भी है। ये वे लोग थे, जिन्होंने शचीन्द्र सान्याल से लेकर रासबिहारी बोस तक की गोला-बारूद

45A

I

ण

को

ण,

ान

लन
ल के
चों
तर
कर

शोधकर्ताओं के लिए अध्ययन का विषय बनी हुई है। शायद यह पहला समुदाय है, जिसने व्यापार को गति प्रदान करने के लिए व्यापारिक लिपि मुड़िया ईजाद ही नहीं की, उसका व्यापारिक स्तर पर प्रयोग भी किया।

मारवाड़ से आए हुए जगत सेठ की समृद्धि से बहुत लोग परिचित हैं। बंगाल के वस्त्र उद्योग एवं समुद्री व्यापार से होने वाली आय, सिक्के ढालने का मिला हुआ एकाधिकार उनकी आर्थिक प्रगति के प्रमुख कारण थे। धन इतना था कि डच सरकार समझ नहीं पाई कि इतने पैमाने पर रुपए का लेन-देन उस समय की डच कम्पनी किस सरकार या बैंक के साथ कर रही है। कोई एक घराना इतना धनाढ्य हो सकता है, यह विश्वास के बाहर की चीज थी। इसीलिए तो दिल्ली के बादशाह ने उन्हें जगत सेठ का खिताब दिया था।

ादी की जंग लड़ी थी। सुप्रसिद्ध ारक राममनोहर लोहिया, इन्दु जैन, ोंने कलकत्ता की प्रथम महिला त्रता सेनानी के रूप में गिरफ्तारी दी मारवाड़ी समाज के इतिहास में कानून पज्ञ हरविलास शारदा, सुप्रसिद्ध ासकार एवं सम्पादक पण्डित ाल शर्मा, प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. सिंह कोठारी का जिक्र भी आना ए। नोबल पुरस्कार की तैयारी करने डॉ. सीवी रमन को वैज्ञानिक उपकरणों शांतिनिकेतन हेतु धन इकट्ठा करने के स्वयं मंच पर उतरने को उद्यत गुरु टैगोर को धनराशि मुहैया कराने घनश्याम दास बिड़ला मारवाड़ी थे।

नशीलता की पृष्ठभूमि

चीन, काबुल, कश्मीर, कंधार आदि ाल गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंचाने ाए जो महत्वपूर्ण मार्ग थे, वे राजस्थान ोकर गुजरते थे। इसीलिए यहां के

जरुरत मूल्यांकन की

इतिहास के आइने में वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि बंगाल को मारवाड़ी समाज की बहुत बड़ी देन मिली है, जिसका सही मूल्यांकन नहीं किया गया। यह मूल्यांकन इसलिए नहीं हुआ कि व्यापारिक गतिविधियों में यह समाज जरूरत से ज्यादा खोया रहा और खुद की भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला और इतिहास के प्रति उदासीनता की नींद में सोया रहा। इस स्थिति में शिक्षा, साहित्य एवं जनकल्याण के कार्यों में जितना काम इस समाज ने किया है, वह अपने आप में शोध का कार्य है।

⇨ टॉड की याद...पेज–8

इनका कहना है

राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जहां की विरासत और इतिहास उसकी पहचान अपनी मिट्टी से दूर रह कर भी उससे जुड़े रहना हमारे लिए गर्व की बात यहां बसे प्रवासी ऐसा हर साल करते हैं व राजस्थान दिवस मनाकर हर्षोल्लसित होते हैं।
- हरि प्रसाद बुधिया, उद्योगपति-समाजसेवी

राजस्थान रंगों, संस्कृति, परंपराओं वाला राज्य है। राजस्थान दिवस हमें अपने देश की याद दिलाता है। हमें अपनी संस्कृति व भावनाओं से जोड़ता है।
- हरिमोहन बांगड़, उद्योगपति-राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष

राजस्थान दिवस हमारी संस्कृति, भाषा, इतिहास व परम्परा से जोड़ता है। हमें एकता का संदेश देता है। राजस्थान के रंगों की पहचान कराता है।
- जुगल किशोर जैथलिया, राजस्थान परिषद के अध्यक्ष

राजस्थान दिवस हमारे लिए गर्व की बात है। यह भाईचारे को बढ़ाता है। हम प्रवासियों द्वारा मेल-जोल बढ़ाने का अच्छा जरिया है।
- प्रमोद शाह, लेखक-चिंतक

राजस्थान छोड़ने वालों के लिए भी यह स्मरणीय दिन होता है। हमारे लिए यह काफी गर्व की बात है कि अपने गांव से दूर रहकर भी अपनी मान्यता और सिद्धांतों को नहीं भूले हैं।
- रतन शाह, उद्योगपति, समाजसेवी-चिंतक

राजस्थान दिवस प्रवासियों के बीच देश-गांव को याद करने का एक जरिया है। यह दिन हमें हमारी जड़ों की याद दिलाता है।
- एस.आर. सिंघवी, उद्योगपति-समाजसेवी

यह दिवस हम प्रवासियों को उनके देश और जुड़े इतिहास का स्मरण दिलाता है। राजस्थान वीरता और संघर्ष का प्रतीक है। राजस्थान दिवस हमें उसे बरकरार रखने में मदद करता।
- विश्वम्भर नेवर, वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान पहले राजपूताना था, जो वहां की विरासत की पहचान कराता था। राजस्थान दिवस हमें उनके कार्यों और उनके सिद्धांतों की याद दिलाता है।
- गौरीशंकर कायां, उद्योगपति-समाजसेवी

यह दिवस हमारे लिए काफी गर्व, सम्मान का दिवस है। हमें यह दिवस अपने अस्तित्व की याद दिलाता है। यह हमें बताता है कि भले ही हम अपनी मातृभूमि से दूर हैं, पर उससे हमेशा ही जुड़े रहेंगे।
- नथमल केड़िया, समाजसेवी-चिंतक

बंगाल में सभी एकजुट होकर इस दिन को मनाते हैं और यह काफी अच्छी बात है। यह दिवस हमारी नई पीढ़ी को राजस्थान के रंग, रूप, विरासत के बारे में जागरूक कराता रहेगा।
- विश्वनाथ चांडक, साल्टलेक लोक कला केंद्र के अध्यक्ष

मुझे अभी भी याद हैं, वे सुखद दिन-जब हम राजस्थान की भव्य हवेलियों को घण्टों खड़े निहारते थे। यह दिवस हमें अपने विरासत से जोड़ता है। राजस्थान हमारे प्राणों में बसा है। इसकी खुशबू तेज है कि हम प्रवासियों को हमेशा ही सुवासित करती है।
- मृदुला कोठारी, गायिका-लेखिका

यह दिन संस्कृति, रंग, भाव, स्नेह, एकता और अखण्डता की पहचान है। नयी पीढ़ी को भी आगे राजस्थान की कला, परम्परा को समझना चाहिए।
- तारा दुग्गड़, लेखिका

राजस्थान शौर्य प्रताप वाला राज्य है। इसकी माटी में प्रेम, स्नेह और धर्म भावना है। इन सब को याद कर हम राजस्थान दिवस मनाते हैं। हमें अपने देश से जोड़ने का सकारात्मक जरिया है यह दिवस।
- मंजू पोदार, समाजसेवी

भाषा चिंत

राजस्थानी भाषा को लेकर जयपुर में पिछले दिनों आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में कोलकाता के उद्योगपति-बुद्धिजीवियों के साथ राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

15(B)

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, शुक्रवार
30 मार्च, 2007
कोलकाता संस्करण

महानगर में दिखेगी 'धरती धोरा रूं' की झलक

राजस्थान दिवस समारोह की जानकारी देते संदीप भूतोड़िया जागरण

जागरण ब्यूरो, कोलकाता : मरूभूमि की समृद्ध कला, संस्कृति, खान पान व वेशभूषा से बंग भूमि को परिचित कराने के लिये शुक्रवार से कोलकाता महानगर में चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। राजस्थान फाउंडेशन की पहल पर हो रहे इस कार्यक्रम को हिन्दुस्तान क्लब व बंगाल रोइंग क्लब की ओर से सक्रिय समर्थन दिया जा रहा है। कार्यक्रम 30 व 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब और एक व दो अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब में होगा। इसमें राजस्थान के 11 जिलों के चुनिंदा फनकार अपनी कला का जलवा बिखेरेंगे। दो संस्कृतियों के इस मेल-बंधन के लिये माहौल तैयार कर लिया गया है। एक ही जगह पर खानपान व कला का संगम देखने वाले लोगों की भीड़ जुटने वाली है। आयोजकों को उम्मीद है कि पांच हजार से भी अधिक लोग इस मेल बंधन के मौके में शामिल होंगे। लोगों का उत्साह और जोश कम न हो इसके लिये आयोजक हर तरह से चौकस है। राजस्थान के 11 जिलों के कलाकारों के अलावा पैलेस आन व्हील के मुख्य रसोइया पोशी अधिकारी को इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिये राजस्थान सरकार पहली बार बाहर भेज रही है।

इसमें हिस्सा लेने वाले लोगों को राजस्थान की दाल बाटी चूरमा, पापड़, पकौड़ी, गट्टा, सांगरी, पंचकुट्टा, खीर, जैसे व्यंजन को लोगों के सामने परोसा जायेगा। कलाकार अपनी कला का जलवा बिखेरेंगे। इसमें अतिथियों के लिये पास तो भेजा जा चुका है। क्लब के सदस्यों के लिये खानपान का शुल्क 150 रूपये है जबकि बाहर से आने वाले लोगों के लिये पचास रुपये का प्रवेश शुल्क के साथ 150 रूपये अलग से देना पड़ेगा।

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता

शुक्रवार 30 मार्च, 2007,

राजस्थान दिवस समारोह में मिलेंगी राजस्थानी संस्कृति की नायाब झलकियां

कोलकाता: कोलकाता के लोगों को राजस्थान की संस्कृति से रूबरू कराने के लिये राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता 30 मार्च से राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इस 4 दिवसीय समारोह में राजस्थानी कला के विभिन्न नमूने देखने को मिलेंगे। यह जानकारी एक संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ व सचिव संदीप भूतेड़िया ने दी। उन्होंने बताया कि बंगाल रोइंग क्लब के सहयोग से आयोजित इस अनूठे समारोह में राजस्थान से 80 कलाकारों को बुलाया गया है, जो न केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करेंगे बल्कि उन्हें राजस्थानी संस्कृति से भी अवगत करवायेंगे। राजस्थान से बुलाये गये 5 रसोइये वहां के खास व्यंजन दाल-बाटी चूरमा, पापड़, गट्टा, सांगरी, पंचकुट्टा, दूध मलाई के लड्डू, कैरी की छाछ, तिलपपड़ी, (ब्यावर) बाजरा व मोठ का खींचड़ा और सिकड़यों की खीर तैयार करेंगे, जो कोलकाता वासियों को राजस्थान की याद दिलायेंगे। इसमें राजमाता गायत्री देवी के रसोइये पोरिश अधिकारी, वीरमां राव (जोधपुर) और संखोर खान (पैलेस ऑन व्हील्स) मुख्य हैं।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 30 मार्च 2007 (चैत्र शुक्ल पक्ष 12, संवत 2064) ● शुक्रवार

राजस्थान की झांकी दिखेगी कोलकाता में

चार दिनी राजस्थान दिवस समारोह आज से

कोलकाता : अपनी गौरवमयी संस्कृति व खान-पान से आम लोगों को अवगत कराने के लिए कल से यहां राजस्थान दिवस समारोह शुरू होने जा रहा है. चार दिवसीय समारोह में राजस्थानी संस्कृति के विभिन्न रूप को दर्शाया जायेगा, जिसका लुत्फ इसमें शिरकत करने वाले करीब पांच हजार लोग उठायेंगे. समारोह में महानगर में उपस्थित सभी राज्यों के प्रतिनिधि, देशों के डिप्टी कमिश्नर व कई संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है. कार्यक्रम में राजस्थान के 13 विभिन्न जिलों के 80 सांस्कृतिक कलाकार हिस्सा लेंगे. इसका आयोजन राजस्थान फाउंडेशन की ओर से तीसरी बार किया जा रहा है. इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने बताया कि तीसरी बार आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के लोगों को राजस्थानी संस्कृति के करीब लाना है. उन्होंने बताया कि राजस्थान की लोक कला, वेशभूषा, खान-पान, रहन-सहन आदि अन्य संस्कृतियों से अलग है. खाद्योत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 30 व 31 मार्च तक बंगाल रोइंग क्लब (रवींद्र सरोवर के पास) व एक व दो अप्रैल को शरत बोस रोड स्थित हिंदुस्तान क्लब में होगा. बाजरे की रोटी के साथ पापड़ व लापड़, गुलाब शकरी से लेकर छाछ राबड़ी को तैयार करने के लिए राजस्थानी रसोइये यहां आ चुके हैं. राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि यह मेला राजस्थान की आत्मा की भांति होगा. हिंदुस्तान क्लब के सचिव जीवराज सेठिया ने बताया कि क्लब में आयोजन संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया ने बताया कि आगंतुकों को छाछ व जलजीरा परोसा जायेगा. कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान सरकार, हिंदुस्तान क्लब व बंगाल रोइंग क्लब द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है. इस मौके पर सुधीर सतनालीवाला, पारसमल जैन सहित कई लोग उपस्थित थे.

महानगर पहुंचे राजस्थानी रसोइये.

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

कोलकाता • चैत्र शुक्ल पक्ष 12 संवत् 2064, शुक्रवार 30 मार्च 2007

राजस्थानी कला-संस्कृति व व्यंजनों का मजा लेंगे कोलकातावासी

कोलकाता, 29 मार्च (संवाददाता)। राजस्थान दिवस समारोह के मौके पर राजस्थान फाउंडेशन ने कल से महानगर में खाद्य उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया है। 30 एवं 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब (रवींद्र सरोवर) एवं 1 2 अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब में यह कार्यक्रम होगा। फाउंडेशन कोलकाता चेप्टर के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने आज पत्रकारों को बताया कि एक सर्वे के अनुसार जयपुर से अधिक राजस्थानी अभी कोलकाता में रह रहे हैं।

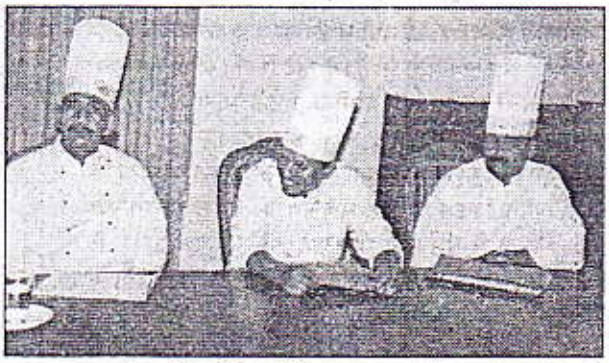

पत्रकार सम्मेलन में बायें से रसोईये वीरमा राम, पोरेश अधिकारी एवं शागिर खान। फोटो : छपते छपते

इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य लक्ष्य अन्य भाषा-भाषी लोगों को राजस्थान की संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि 4 दिवसीय इस कार्यक्रम में लगभग 5 हजार लोग शामिल होंगे। गैर राजस्थानी संगठनों के अलावा राजस्थान के लगभग 60 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। इन्हें निःशुल्क प्रवेश पत्र भेजा गया है। हालांकि प्रवेश शुल्क 50 रुपए रखी गया है। राजस्थान के सुप्रसिद्ध रसोईये वीरमा राम, पोरेश अधिकारी, शागिर खान सहित 5 रसोईये कोलकाता पहुंच गये हैं। राजस्थान के लगभग 80 कलाकार सायं 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। इन कलाकारों को राजस्थान के सभी जिलों से बुलाया गया है। कार्यक्रम परिसर में राजस्थान के लगभग 7 स्टॉल लगाये जायेंगे। रसोईया वीरमा राम ने बताया कि मूंगदाल, गुलाब सकरी, दुध मलाई के लड्डू, छाछ-राबड़ी, बाजरा-मोठ का खीचड़ा आदि व्यंजन कोलकाता में संभवतः पहली बार परोसे जायेंगे। इस मौके पर हिन्दुस्तान क्लब के महासचिव श्री जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष श्री पारसमल जैन, फाउंडेशन के सदस्य श्री तिलोकचंद डागा भी उपस्थित थे।

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता > शुक्रवार > 30 मार्च, 2007

जलवा बिखेरेंगे देस के कलाकार

पकवान राजस्थान से बुलाए गए खानसामे पकवानों को तैयार करने में तल्लीन।

राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन आज से

कार्यालय संवाददाता
कोलकाता, 29 मार्च।

राजस्थान दिवस के अवसर पर कोलकाता में चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार से होगा। इसका आयोजन राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर की ओर से किया जा रहा है। वंगभूमि पर मरुभूमि की कला, संस्कृति, ,खानपान, वेशभूषा के जलवे बिखेरने के लिए कलाकार, खानसामे पहुंचे हैं।

संवाददाता सम्मेलन में फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य गैर राजस्थानी लोगों को राजस्थान से जोड़ना और संस्कृति का आदान-प्रदान करना है। सहभागिता के लिए राजस्थान से जुड़े 60 सामाजिक संगठनों अलावा अन्य राज्यों के संगठनों व कोलकाता की नामी-गिरामी हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। पहले दो दिनों के कार्यक्रम बंगाल रोईंग क्लब में होंगे, जबकि एक और दो अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब में मरूधारा के विभिन्न रंग देखने को मिलेंगे। संवाददाता सम्मेलन में हिन्दुस्तान क्लब के सचिव जीवराज सेठिया, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन तथा फाउंडेशन के सदस्य तिलोकचंद डागा मौजूद थे।

नट-नटनी और कालबेलिया

समारोह में भाग लेने के लिए पहुंच रहे 80 कलाकारों में अधिकाश पहली बार कोलकाता आ रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से नट-नटनी का जोड़ा, पतली सूत पर चलने वाले कलाकार के साथ ही अलबोजा, लांगा और कालबेलिया के अलावा कुचामनि ख्यालीकारों और पारम्परिक कच्छी घोड़ी से भी रूबरू होंगे लोग।

पैलेस ऑन व्हील्स का जायका

राजस्थानी जायका भी चखने को मिलेगा और वह भी पैलेस और हेरीटेज ऑन व्हील्स का। इन दोनों ही शाही गाड़ियों के प्रधान रसोईए कोलकाता पहुंचे हैं।

राजस्थान परिषद का आयोजन 31 को

प्रत्येक वर्ष की भांति राजस्थान परिषद की ओर से 31 मार्च को राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। शाम 6 बजे से विलियमसन मेगोर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद ललित किशोर चतुर्वेदी, सुरेन्द्र कुमार लाठ के साथ उद्योगपति प्रहलाद राय गोयनका शिरकत करेंगे।

जनसत्ता
कोलकाता वृहस्पतिवार २९ मार्च २००७

राजस्थान दिवस समारोह

कोलकाता, २८ मार्च (जनसत्ता)। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर की ओर से राजस्थान दिवस के मौके पर ३०-३१ मार्च को बंगाल रेइंग क्लब में 'रंगीलो राजस्थान' कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह जानकारी देते हुए सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि १-२ अप्रैल को हिंदुस्तान क्लब में विविध कार्यक्रम होंगे।

THURSDAY, MARCH 29, 2007

Hindustan Times

POT POURRI

Visit stirs memories for chef

Drimi Chaudhuri
Kolkata, March 28

Adhikari (in *pugree*) and the other chefs from Rajasthan who are in the city for the food festival. ASHOK NATH DEY/HT

FOR SOME it might be basking in the glory of a regal connection, but for Porish Adhikari, it was a historical connection by default. A Bengali from Cooch Behar, Adhikari bears the lineage of the dowry Rajmata Gayatri Devi took with her to Jaipur and stands testimony to the historical links between the two extreme corners of the nation.

A chef with the super luxurious Heritage-On-Wheels train, Adhikari's aunt was the personal secretary to Gayatri Devi, scion of the royal family of Cooch Behar. Adhikari is a part of the three-member chef team, presently in Kolkata to serve traditional Rajasthani food that goes beyond the usual fare of dal bati churma.

His aunt had left Bengal for Rajasthan, along with her employer and it was natural choice for Adhikari to settle down at Jaipur, pursuing his chosen vocation. "I followed by aunt to Rajasthan in 1979 and since then I have been there. Many of my cousins have been working with luxury hotels and i easily took to my field of work," he said.

Besides Adhikari, chefs Omkar Singh and Paritosh Mondal from Jodhpur and Marwar respectively, will serve a traditional spread at a four-day food festival, being organised by Rajasthan Foundation.

"The spread will start with refreshing beverages like chhanch and jaljeera, followed by the quintessential Rajasthani thali, with a wide variety of dal-bati-churma, papad, pakodi, gatta, sangdi, panchkutta and kheer. There would also be a variety of rotis, made from wheat, maize and other grains," said G.K. Goswami, the city spokesman of Rajasthan Tourism Development Corporation (RTDC), the festival's joint organiser.

According to the three chefs, the festival is expected to have a good response in the city because even Bengali tourists to the western state are showing interest in traditional Rajasthani fare. "While earlier they stuck to their normal meal of rice and fish curry, they are being adventurous and trying out Rajasthani dishes," said Singh.

The foundation's city chapter secretary, Sundeep Bhutoria, said that since these dishes are available in Rajasthan only during festivities, the present festival would be a good opportunity to showcase the myriad cultural nuances of Rajasthan.

"Although Kolkata has a substantial percentage of people from Rajasthan who are presently settled here, our primary target would be to display these nuances in front of Bengalis and non-Rajasthanis of Kolkata to give them a glimpse of our cultural heritage," he said.

The festival, along with a variety of cultural performances will be held from March 30 to April 2, with 65 musicians and other performers schedule to spice up the event.

drimi.chaudhuri@hindustantimes.com

COVERAGE OF

RAJASTHAN DIWAS 2007

IN

RAJASTHAN DAILIES

राजस्थान फाउन्डेशन बना सांस्कृतिक दूत

बंगाल और राज़स्थान के बीच, प्रवासियों की नई पीढ़ी में संस्कृति की अलख

गोवर्धन चौधरी

कोलकाता, 3 अप्रैल। कोलकाता का राजस्थानी समुदाय पूरे देश के व्यावसायिक और उद्योग जगत में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान के हर कोने का प्रवासी यहां मिल जाता है। इस लिहाज से करीब सैकड़ों सामाजिक संगठन काम कर रहे हैं। इन सबके बीच पिछले तीन सालों में राजस्थान फाउन्डेशन ने राज्य के सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाई है। फाउन्डेशन के बहुआयामी कार्यों के चलते बंगाल में यह राजस्थान के 'माउथ पीस' का दर्जा हासिल कर चुका है। पिछले तीन सालों से कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन कर रही है। राजस्थान फाउन्डेशन के कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया की सक्रियता का भी इसमें काफी योगदान रहा है। 'नवज्योति' से साक्षात्कार में भूतोड़िया ने कहा कि राजस्थान सरकार के 'माउथ पीस' के रूप में कार्य करते हुए फाउन्डेशन का कार्यालय हर तरह से राज्य के पक्ष को प्रबल तरीके से बंगाल में रखने का कार्य कर रहा है।

संदीप भूतोड़िया

हनीमून डेस्टिनेशन की छवि से दूर गौरव की स्थापना

भूतोड़िया का कहना है कि राजस्थान को विगत् वर्षों तक लोग एक पर्यटन स्थल या हनीमून डेस्टिनेशन के तौर पर ही ज्यादा जानते थे। फाउन्डेशन इस छवि से बाहर निकलकर राजस्थान की गौरवशाली और समृद्ध संस्कृति, समृद्ध विरासत और वीर गाथाओं को लोगों के सामने लाने का प्रयास कर रहा है। यहां बंगाल में हम लोगों के बीच राजस्थान की अलग छवि बनाने में काफी हद तक कामयाब हुए है। पर्यटन के पक्ष से बाहर निकलकर राजस्थान के गौरव को स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

कोलकाता राजस्थानियों का मक्का

प्रवासियों द्वारा राज्य के विकास में योगदान पर उनका कहना है कि कोलकाता राजस्थानी समाज का मक्का है। यहां पर 57 संस्था राज्य के शहरों के नाम पर बनी है और वे अपने शहरों के विकास के लिए काम कर रही हैं। इस महानगर में रहकर भी प्रवासी अपने मूल क्षेत्र के विकास में लगातार भागीदारी निभा रहे हैं। सामाजिक संस्थाएं भी सैकड़ों में है। होली दीवाली पर सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से लोग मिलन समारोहों में आपस में मिलते हैं।

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Wednesday, April 04, 2007
Edition : Jaipur
Page : 9

छटा राजस्थान की

कोलकाता में चल रहे राजस्थान उत्सव समारोह के दौरान चरी नृत्य की प्रस्तुति देती कलाकार।

फोटो - नवज्योति

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Tuesday, April 03, 2007
Edition : Jaipur
Page : 12

प्रवासियों पर छाया रहा 'मायड़ भोम' का रंग

गोवर्धन चौधरी

कोलकाता, 2 अप्रैल। राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों में यहां के प्रवासियों की बड़ी तादाद में भागीदारी और उत्साह को देखते हुए कार्यक्रमों को एक दिन के लिए और आगे बढ़ा दिया है। चार दिनों में अपनी धरती की संस्कृति को साकार होता देखने प्रवासी राजस्थानियों का हुजूम उमड़ पड़ा। इन कार्यक्रमों में हर प्रवासी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा है।

मंगलवार को यूंग स्थित विश्वदानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के प्रांगण में कार्यक्रम रखा गया है। इसमें हजारों लोगों के शिरकत करने की उम्मीद जताई जा रही है। पहले सोमवार को ही चार दिवसीय कार्यक्रमों का समापन रखा गया था लेकिन प्रवासियों के अपार उत्साह और आग्रह को देखते हुए आयोजक राजस्थान फाउन्डेशन ने इनका समय एक दिन के बढ़ाने का निश्चय किया। सोमवार को हिंदुस्तान क्लब में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रवासियों ने जमकर आनन्द उठाया। राजस्थान से गए कलाकारों द्वारा पेश किए गए भवई नृत्य, अग्नि नृत्य, अलगोज़ा, नट कला और लोकगीतों ने यहां पर मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए मेंहदी, ज्योतिष विद्या और हस्तशिल्प के स्टॉलों भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। राजस्थानी रसोइयों द्वारा तैयार किए गए करीब 70 प्रकार के जायकेदार व्यंजनों के स्वाद की हर कोई तारीफ किए बिना नहीं रह सका।

सेतु की भूमिका अदा कर रहा है समारोह

कोलकाता, 2 अप्रैल। पिछले तीन सालों से कोलकाता में आयोजित राजस्थान दिवस समारोह यहां के प्रवासियों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने में एक सेतु की भूमिका अदा कर रहा है। राजस्थान फाउन्डेशन के सौजन्य से किए गए इस आयोजन को राजस्थानी समाज में व्यापक सराहना की जा रही है।

इसके अलावा समारोह से राजस्थान को एक पर्यटन स्थल के रूप में चस्पा पहचान से अलग हटकर उसकी गौरवशाली परंपराएं, समृद्ध संस्कृति और वीर भूमि की छवि को लोगों के सामने पेश करने का काम किया है। नई पीढ़ी को राजस्थान की संस्कृति से परिचित कराने में समारोह के कार्यक्रमों का काफी योगदान रहा है।

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Tuesday, April 03, 2007
Edition : Jaipur
Page : 9

राजस्थान मय हुआ कोलकता

राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों में उमडा जनसैलाब, लजीज व्यंजनों और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने जमाया रंग, कलात्मक वस्तुओं की स्टाल्स पर भारी भीड़, कार्यक्रमों में प्रदेश के दूर अंचल की झलक, समारोह ने एक सूत्र में पिरोया प्रवासियों को

गोवर्धन चौधरी

जयपुर, 1 अप्रैल। राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों में पेश की गई राज्य को कला और संस्कृति की सजीव प्रस्तुतियों से पिछले तीन दिन से कोलकता राजस्थानमय हो गया है। समारोह ने यहां के प्रवासी राजस्थानियों को एक सूत्र में पिरो दिया है। कार्यक्रमों में लगातार लोगों का सैलाब उमड़ रहा है।

तीसरे दिन यहां स्थित हिंदुस्तान क्लब में आयोजित समारोह में दो दिनों से भी ज्यादा तादाद में प्रवासियों ने हिस्सा लिया। शाम चार बजते ही लोगों को यहां आना शुरू हो गया। सूरज ढलने के बाद सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने लोकनृत्यों और लोकधुनों की प्रस्तुतियों से यहां पर मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। लोकगीतों व लोकनृत्यों के अलावा प्रवासियों ने लजीज खाने का भी जमकर लुत्फ उठाया। राज्य से गए रसोइयों द्वारा तैयार लजीज राजस्थानी व्यंजनों के स्वाद की हर कोई तारीफ करता नजर आया।

इसके अलावा वहां पर लगाए गए कलात्मक वस्तुओं के हैंडीक्राफ्ट के स्टॉल पर भी काफी भीड़ उमड़ रही है। लोग बड़ी तादाद में कलात्मक वस्तुओं की खरीददारी कर रहे हैं।

समारोह के आयोजन को लेकर यहां के राजस्थानी काफी उत्साहित हैं। कार्यक्रमों में आए लोगों को फुर्सत में एक दूसरे से मिलने का भी अच्छा मौका मिल गया। कोलकता के कोने-कोने से समारोह के कार्यक्रमों में आए लोग पूरे राजस्थान की झलक देखकर खुश नजर आए। इन कार्यक्रमों ने यहां के प्रवासियों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। पिछले दो दिन 30 और 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब में आयोजित 'रंगीलो राजस्थान' के कार्यक्रमों की यहां व्यापक तौर पर सराहना हुई है। हिंदुस्तान क्लब में रविवार व सोमवार को कार्यक्रमों का आयोजन है।

सोमवार को इन कार्यक्रमों का समापन किया जाएगा। राजस्थान फाउंडेशन के कोलकता चैप्टर द्वारा पिछले तीन वर्षों से यहां राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हर साल इन कार्यक्रमों में यहां के प्रवासियों की भागीदारी बढ़ती जा रही है। यहां पर समारोह के कार्यक्रमों से प्रवासी राजस्थानियों के अलावा बंगाली समुदाय की भी राजस्थानी कला और संस्कृति के बारे में जानने की ललक बढ़ी है। दोनों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी राजस्थान फाउंडेशन के तत्वावधान में शुरू किए गए इन कार्यक्रमों से काफी मदद मिली है।

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Monday, April 02, 2007
Edition : Jaipur
Page : 9

नई पीढ़ी को उनकी जड़ों से जोड़ना होगा

राजस्थानी संस्कृति पर बोले प्रवासी,धन से नहीं संस्कृति से भी संपन्न हैं हम, सांस्कृतिक आदान प्रदान की आवश्यकता

गोवर्धन चौधरी

कोलकाता, 1 अप्रैल। कोलकाता के जाने माने वकील और विधिवेत्ता **इंदर चंद संचेती** को खुद मारवाड़ी होने की अलग नजरिए से देखते हैं। उनका कहना है कि राजस्थानियों की कोलकाता की नहीं सभी जगह पूंजीपति की छवि बनी हुई है। हमें इस एकमात्र चोगे या आवरण से बाहर निकलना होगा। हमारी समृद्ध संस्कृति से बंगाल को परिचित करवाने की आवश्यकता है। हमें यह बताना होगा कि न केवल पूंजी से समृद्ध हैं बल्कि संस्कृति व बौद्धिक दृष्टि से भी सम्पन्न है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान से हम बंगाल और राजस्थान को और निकट ला सकते हैं, यह बात राजस्थान के विकास में सहायक सिद्ध होगी। राजस्थान की संस्कृति इतनी गौरवशाली और समृद्ध है कि हर कोई इससे प्रेरणा लेगा। राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रम और भी व्यापक पैमाने पर होने चाहिए ताकि यहां के प्रवासियों के अलावा बंगाली तबका भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर से परिचित हो सके। प्रसिद्ध उद्योगपति और राजस्थान फाउन्डेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष

हरिमोहन बांगड़ का कहना है कि राजस्थान दिवस समारोह ने कोलकाता के प्रवासी राजस्थानियों को अपनी संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोलकाता में पली बढ़ी नई पीढ़ी को यह पता ही नहीं था कि वे सांस्कृतिक रूप से कितने सम्पन्न है। इन कार्यक्रमों में अपनी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उनका कहना है कि राजस्थान के विकास में प्रवासी और भी ज्यादा योगदान कर सकते हैं लेकिन इसके लिए आधारभूत ढांचे के और अधिक विकास व माहौल की आवश्यकता है। सामाजिक रूप से आज भी हम राजस्थान से जुड़े हुए हैं। नई पीढ़ी को अपने जन्मभूमि से जुड़ने में इस तरह के आयोजनों की महती भूमिका होती है। रूपा समूह के उद्योगपति **घनश्याम शोभासरिया**

का कहना है कि सामाजिक क्षेत्र में प्रवासी राजस्थानी काफी योगदान कर रहे हैं। फिर भी व्यापार की दृष्टि से राजस्थान से वे कटे हुए से हैं, इसका कारण वहां व्यापार के योग्य माहौल और आधारभूत ढांचे का विकास नहीं हो पाना प्रमुख रूप से जिम्मेदार है। औद्योगिक विकास के लिए सड़क, विद्युत, श्रम और आधारभूत ढांचे की प्रमुखता से आवश्यकता होती है, जिसका वहां अभाव है। अगर राजस्थान इस क्षेत्र में सुधार करे तो निवेश वहां जाने में देर नहीं लगेगी। इसके अलावा सामाजिक क्षेत्र में प्रवासी राजस्थानी काफी अच्छा कर रहे हैं। हम आज भी जड़ों से अपने आपको जुड़ा हुआ महसूस करते हैं, यह कहा जा सकता है कि हम अपने आपको राजस्थान से अलग करके देख नहीं सकते। प्रमुख व्यावसायी **विश्म्भर सुहैला** का कहना है कि कोलकाता ऐसा शहर है जहां राजस्थान के हर हिस्से का व्यक्ति मिल जाता है। इतने बड़े पैमाने पर रह रहे लोग वर्षों से यहां रहने के बावजूद अपनी जड़ें राजस्थान और इसकी संस्कृति में तलाशते हैं। ऐसे में उनको अपनी संस्कृति से रूबरू करवाने में राजस्थान दिवस समारोह जैसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। यहां पर पिछले तीन सालों से ये कार्यक्रम करने के कारण हर राजस्थानी के घर में इनके आयोजन को लेकर एक उत्साह का भाव आया है। राजस्थान के विकास में प्रवासी तभी कुछ कर सकते हैं जब सरकारें इस दिशा में पहल कर काम करें। वैसे पिछले दो तीन सालों में सरकारी स्तर पर प्रयास हुए हैं लेकिन उनकी निरंतरता को बनाए रखना होगा। प्रमुखी उद्यमी और राजस्थान फाउन्डेशन के कार्यकारी सदस्य **हरिप्रसाद बुधिया** का कहना है कि यह समारोह अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखने का अच्छा प्रयास है। राजस्थान की कला और संस्कृति से हर प्रवासी को परिचित कराए जाने की आवश्यकता है। यहां के बंगाली समुदाय को भी इन आयोजनों से जोड़कर सांस्कृतिक आदान-प्रदान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अपनी धरती की गौरवशाली परंपराओं और संस्कृति को संजोए रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने पड़ेंगे तभी हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को कायम रख पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **त्रिलोक चंद डागा** का कहना है कि राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति से आज पूरे वैश्विक समुदाय को परिचित कराना होगा। उद्यमिता में राजस्थानियों ने जिस तरह दुनिया में अपनी छाप छोड़ी है, उसी तरह सांस्कृतिक दृष्टि से भी हमें दुनिया के सामने अपनी श्रेष्ठता साबित करनी होगी। सांस्कृतिक संपन्नता के मामले में राजस्थान का आज भी दुनिया में कोई सानी नहीं है। कोलकाता के प्रमुख व्यावसायी और बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया का कहना है कि प्रवासी राजस्थानियों को आज अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की प्रमुख आवश्यकता है। कोलकाता में जन्मी और यहीं बड़ी हुई पीढ़ी को उनके पुरखों की सांस्कृतिक विरासत से परिचित करवाने में राजस्थान दिवस समारोह जैसे कार्यक्रमों में आज सैकड़ों संस्थाएं सांस्कृतिक जागरण के इस काम में लगी हुई हैं और यहां के प्रवासी उनके कार्यक्रमों में चढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

Publication : Dainik Navjyoti

Date : Monday, April 02, 2007

Edition : Jaipur

Page : 2

राजस्थान दिवस समारोह में उमड़ा कोलकाता

प्रवासियों में अपार उत्साह, आयोजन को लेकर गौरवान्वित हुए प्रवासी, माटी की महक खींच लाई समारोह में, समारोह में राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति के रंग

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसी)। राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों के दूसरे दिन यहां प्रवासी राजस्थानियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हर आयु वर्ग में राजस्थान का रंग बिरंगी कला और संस्कृति की झलक पाने की होड़ सी लगी हुई है। आयोजन को लेकर कोलकाता के प्रवासियों में प्रशंसा और गौरव का भाव है वहीं वे इसे अपनी संस्कृति को दूर प्रदेश में साकार होता देखकर फूले नहीं समा रहे हैं। शनिवार को रविन्द्र सागर किनारे बंगाल रॉयल क्लब में कार्यक्रम देखने बड़ी तादाद में लोग आए। दिन ढलने से पहले शुरू हुआ लोगों का हुजूम देर रात तक जारी रहा हर कोई राजस्थान के कलाकारों की प्रस्तुतियों और यहां पर रखे लजीज राजस्थानी खाने को लेकर सराहना किए बिना नहीं रह सका। कार्यक्रम में आए कई बच्चों ने तो पहली बार राजस्थानी कार्यक्रमों की झलक देखी, इससे पहले वे टी.वी. या दूसरे माध्यमों से ही इनके बारे में में सुनते थे। कोलकाता में रह रहा कोई प्रवासी अपनी संस्कृति से रूबरू होने का मौका अपने हाथ से जाना नहीं देना चाहता। समारोह के दूसरे दिन मार्च क्लोजिंग की तमाम व्यस्तताओं के बीच लोग समय निकालकर यहां आए। दिल ढलने के साथ ही राजस्थान से गए कलाकार अपनी सुरीली धुनों की मधुर स्वर लहरियां बिखेरना शुरू कर देते हैं।

कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह के दौरान शामिल श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ (दाएं)।

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Sunday, April 01, 2007
Edition : Jaipur
Page : 9

Publication : Daily News
Date : Saturday, March 31, 2007
Edition : Jaipur
Page : 1

कलाम को सलाम : राजस्थान स्थापना दिवस समापन समारोह में जनपथ पर छात्राओं से सलामी लेते राष्ट्रपति कलाम। मंच पर राज्यपाल प्रतिभा पाटील, सीएम वसुंधरा राजे व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह भी हैं। *शहजाद खान*

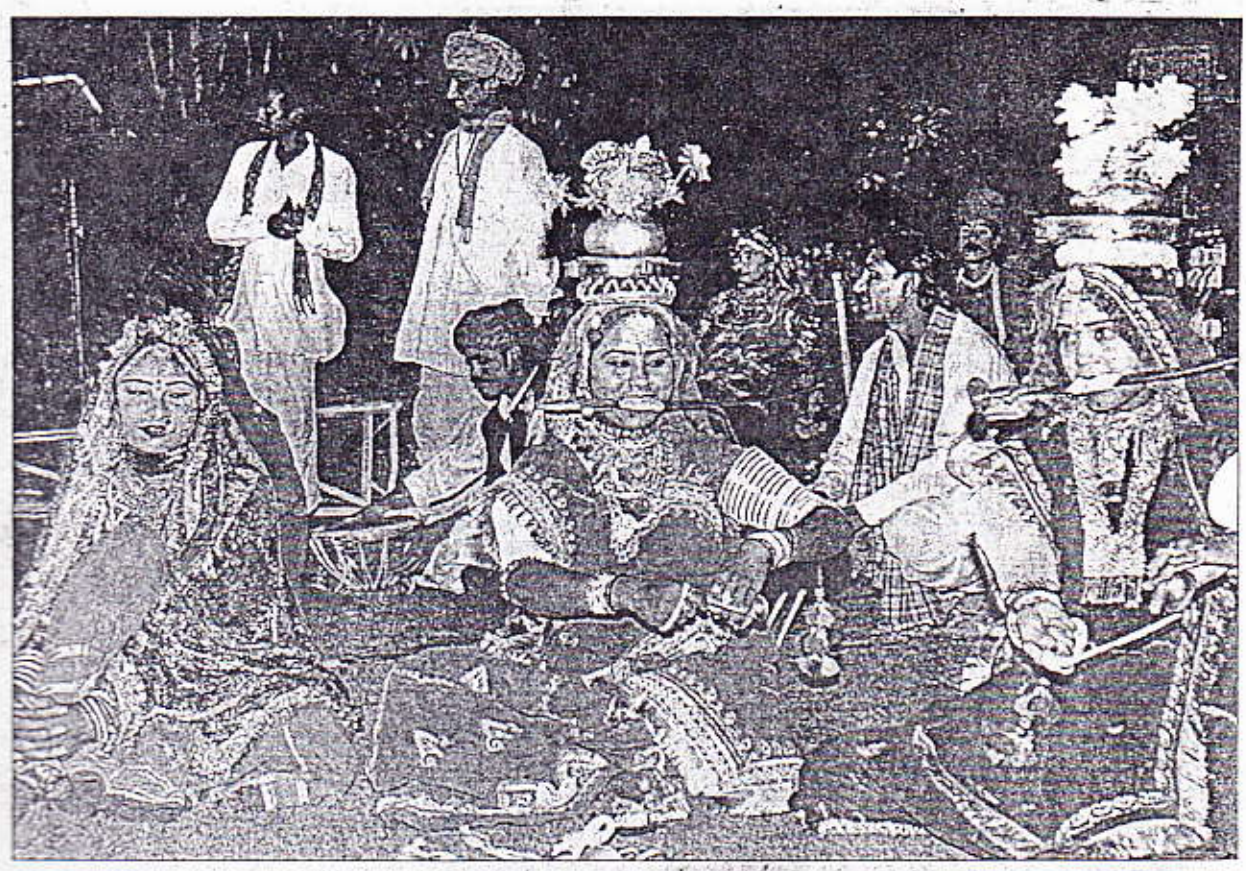

कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह में प्रस्तुति देते राजस्थानी लोक कलाकार। नसेट

Publication	:	Dainik Navjyoti
Date	:	Saturday, March 31, 2007
Edition	:	Jaipur
Page	:	9

आमार बांग्ला में म्हारो राजस्थान की झांकी

गोवर्धन चौधरी

कोलकाता, 30 मार्च। राजस्थान दिवस समारोह के आगाज के पहले दिन यहां कोलकाता के रविंद्र सागर किनारे आमार बांग्ला में म्हारो राजस्थान की झलक दिखाई दी। प्रदेश के कलाकारों ने दिलकश प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। चार दिवसीय समारोह की शुरूवात में प्रवासी अपनी संस्कृति की झलक देखने उमड़ पड़े।

राजस्थान फाउंडेशन और बंगाल रोइंग क्लब की भागीदारी में आयोजित पहले दिन के कार्यक्रमों में कलाकारों ने नट-नटनी और राजस्थानी लोकगीतों की मोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। शाम ढलने के साथ शुरू हुए लोकफूला कार्यक्रमों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों को देखकर प्रवासी राजस्थानी व बंगाल दर्शक दोनों देर रात तक इनका लुत्फ लेते रहे। इसके अलावा यहां पर राजस्थान के हर अंचल के खाने के चुफे लगाए गए हैं। कार्यक्रम में शिरकत कर रहे लोगों ने जमकर राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद चखा। प्रदेश के आंचलिक खाने को लजीज बनाने के लिए जहां रसोइयों का एक दल यहां आया हुआ है, वहीं लोककला का रंग बिखेरने के लिए पैंसठ कलाकारों की टोली कोलकता में है। आरटीडीसी का पांच सदस्यीय दल राजस्थानी व्यंजनों को तैयार करने खास तौर पर आया हुआ है। यहां स्थित बंगाल रोइंग क्लब में राजस्थान की कलात्मक वस्तुओं को रखा गया है। इनमें कोटा डोरिया साडियों से लेकर हैरीटेज फर्नीचर, खिलौने, हस्तशिल्प की चीजें शामिल हैं। कलात्मक वस्तुओं की लोग जमकर खरीददारी कर रहे हैं। राजस्थान पर्यटन विकास निगम और राजस्थान फाउंडेशन की स्टॉल पर प्रदेश के पर्यटन स्थलों और औद्योगिक परिवेश का सजीव चित्रण किया गया है।

पधारो म्हारे देश की थीम पर प्रवासी और बंगाली दोनों ही राजस्थान की लोककला, संस्कृति व पर्यटन स्थलों के बारे में जानने को उत्सुक नजर आते हैं। कार्यक्रमों में प्रवासी राजस्थानी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

जड़ों से जुड़ने की ललक

वर्षों पहले अपनी मायड भोम को छोड़कर चुके कोलकता के प्रवासी राजस्थानी दिलों में आज भी माटी की महक महसूस करते हैं। इस तरह के कार्यक्रम उनको अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष और प्रमुख व्यवसायी रमेश तापड़िया ने बताया कि पुरानी पीढ़ी के लोग राजस्थान में पैदा हुए हैं, जिसके कारण वे वहां की माटी की महक को आज भी अपने दिलों में ताजा बनाए हुए हैं। नई पीढ़ी को उनकी गौरवशाली संस्कृति से परिचित कराने की आवश्यकता है। यहां के प्रवासी आज भी अपने को राजस्थानी होने पर गौरान्वित महसूस करते हैं राजस्थान दिवस समारोह के कार्यक्रमों में स्थानीय बंगाली भी काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यहां के कार्यक्रमों में बंगालियों की दिलचस्पी से दोनों संस्कृतियों का अनूठा संगम देखने को मिला। बंगाली राजस्थान को जानना चाहते हैं और यहां आए दर्शकों में से ज्यादातर ने पर्यटन स्थलों के बारे में अपनी दिलचस्पी दिखाई।

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Saturday, March 31, 2007
Edition : Jaipur
Page : 9

COVERAGE OF

PRESS CONFERENCE

IN

KOLKATA DAILIES

३० मार्च से चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह

राजस्थान के कण-कण में वीरता की गाथा

० विशेष संवाददाता ०

राजस्थान की धरती के हर कण-कण में वीरता की गाथा है व किलों व महलों में दुनिया की बेहतर सभ्यता व संस्कृति का सौरभ है यह कहना है कि राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिंह का, श्रीमती सिंह राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर की ओर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा ले रही थी। श्रीमती सिंह ने बताया कि राजस्थान दिवस मनाने का उद्देश्य राजस्थान की जीवनशैली व सभ्यता व संस्कृति से दूसरे लोगों को जागरूक करना है। यहां राजस्थान दिवस ३० मार्च से दो अप्रैल तक मनाया जायेगा। इसका मकसद राजस्थान के कला, सौंदर्य, जीवनशैली से लोगों को अवगत कराना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से राजस्थान सरकार द्वारा देश के कई राज्यों में राजस्थान चैप्टर की ओर इस मौके पर आयोजित किए जाते है। राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष एचएम बांगड़ ने बताया कि अगले साल इस समारोह को सॉल्टलेक में आयोजित किया जायेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को राजस्थानी जीवनशैली व लोक संस्कृति से अवगत कराया जा सके।

३० व ३१ मार्च को बंगाल रोइंग क्लब व एक व दो अप्रैल को शरतबोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में खाद्य व उत्सव का आयोजन किया जायेगा। 'समारोह में १०० कलाकारों का एक दल भी आयेगा जो इन मौके पर सास्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा, इस मौके पर राजस्थान के विभिन्न कलाओं की प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस आयोजन का मकसद दोनों राज्यों की संस्कृतियों को आदान प्रदान करना है। इस मौके पर पीआर अग्रवाल, एचबीसी सेवटिया, रमेश तापड़िया, पवन जैन भी उपस्थित थे।

शनिवार २४ मार्च २००७ तक

संवाद सूत्र

THE HINDU
Business Line
Kolkata
Friday, March 23, 2007

Grand festivities planned for Rajasthan Day

Our Bureau

Kolkata, March 22

With a view to attracting more tourists from West Bengal, the Rajasthan Foundation (Kolkata Chapter) has planned to showcase "the soul of Rajasthan in essence and spirit", as part of its Rajasthan Day celebrations here next week.

This year the Rajasthan Day celebrations will be held from March 30-April 2. This was announced here recently at a press conference that was attended by, among others, Ms Sumitra Singh, Speaker of Rajasthan Assembly.

The celebrations will showcase exhibits of various designers, folk art, culture, music, dance, theatrical performances and cuisine. The food and festival fiesta will be held at the Bengal Rowing Club on March 30 and 31, and at Hindustan Club on April 1 and 2. Chefs brought from Rajasthan will lay out specially-chosen Bikaneri, Jodhpuri and Mewari cuisine, according to Mr H.M. Bangur, President of Rajasthan Foundation (Kolkata Chapter).

Mr Bangur said Bengalis comprise the single-largest linguistic group to visit Rajasthan as tourists. To attract more tourists from here, the Foundation is keen to showcase the State in all its hues to a larger audience. With this in view, it has been proposed to hold the Rajasthan Day celebrations on a bigger scale in the years ahead, he said.

The Telegraph

CALCUTTA WEDNESDAY 21 MARCH 2007

A date with desert state

A STAFF REPORTER

A four-day extravaganza has been organised in the city to celebrate the third edition of Rajasthan Diwas, which commemorates the birth of the desert state from the princely province of Rajputana.

The event, showcasing the art and culture of Rajasthan, will kick off at Bengal Rowing Club and Hindusthan Club on March 30.

At the meet to announce the programme, Speaker of the Rajasthan Assembly Sumitra Singh recounted the state's history. She also spoke about the need to be proud of the country's culture and heritage.

"The idea is to breach the growing divide between communities inhabiting the city," added H.M. Bangur, managing director of Shree Cement and president of Rajasthan Foundation, the organisers of the event.

A Rajasthani folk dance performance. (PTI)

Also present were industrialists Harshvardhan Neotia and Sandeep Bhutoria.

Folk performances have been lined up to celebrate the foundation day. Artistes will be flown in for the performances.

On the anvil are shows of Kacchi Ghodi (a form in which dancers dress up as horses or mares), Bhavai (which brings alive the bravery of the bandits of the Bhavai region) and Nat-natni (the court dance).

Foodies can sample authentic Jodhpuri Besan Gutha and Til Papdi from Mewar, whipped up by chefs from Rajasthan. The entry fee has been pegged at Rs 50, while the buffet spread is priced at Rs 150.

The Statesman

20
March
TUESDAY
2007

Soak in the sun

SAND, sun and moonlit sky remind one of the most colourful places in India – Rajasthan. Celebrate the splendour of Rajasthan during a four-day festival between 30 March and 2 April.

Organised by the Rajasthan Foundation (Kolkata chapter), the festival will be held at various venues. On 30 and 31 March sample lipsmacking preparations at The Bengal Rowing Club and Rabindra Sarovar, party moves to Hindustan Club on 1 and 2 April.

Announcing the plans for Rajasthan Diwas, Sundeep Bhutoria, secretary of Rajasthan Foundation said: "The four day fun fiesta celebrates the soul of Rajasthan. You will witness the State's varied culture." Known for its folk music, handicraft, theatre and cuisine, the four days will be celebration of life. "The festival will present the best of the state before Kolkatans, who appreciate art, culture and beauty," said HM Bangur, president of Rajasthan Foundation. A group of *kacchi ghori, nat-natni* and a group *algoja* will be visiting Kolkata. The performance includes *terah taal* (a dance in which pots are placed on the head), bhavai, kalbelia (from Jodhpur), *kuchamari khayal, langa* (performs on traditional instruments from Thar).

For gourmets delicacies from Bikaneri, Jodhpuri and Mewari will be rustled up. Parjitosh Mandal, head cook of Hotel Gangaur; Onkar Singh, cook at Ghoomar Hotel and P Adhikari, cook at Heritage on Wheels, will be present. The Bikaneri platter includes *bati masala, maithi mungouri* and *churma*. In the Jodhpur section you will find *besan guttha, bharwa mirch* and *lapsi*. And finally those sampling the Mewari platter can expect *kair kismish, Mewa khichdi* and *dal ka halwa*.

The festival has been organised in collaboration with the department of tourism and government of Rajasthan.

जनसत्ता
कोलकाता मंगलवार २० मार्च २००७

राजस्थान दिवस समारोह

कोलकाता, १९ मार्च (जनसत्ता)। चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह ३० मार्च मनाया जाएगा। ३० और ३१ मार्च को समारोह बंगाल रेइंग क्लब में और १ व २ अप्रैल का कार्यक्रम हिंदुस्तान क्लब में होगा। यह जानकारी राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता अध्याय की ओर से दी गई। फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि चार दिवसीय यह समारोह राजस्थान की आत्मा के तत्व रूप का उत्साहपूर्वक समारोह होगा।

TUESDAY, MARCH 20, 2007

Hindustan Times

Rajasthan Day

A 4-DAY festival will be held to celebrate Rajasthan Day from March 30 to April 2. The food and festival fiesta will be featured on March 30 and 31 at Bengal Rowing Club, and Rabindra Sarovar and on the last two days at Hindustan Club. There will be a demonstration of Rajasthani handicrafts at the festival featuring exhibits of various designers. Folk art and culture, music, dance, and theatrical performances have also been scheduled. Paritosh Mandal, head cook of Hotel Ghoomer and P. Adhikari, cook of Heritage on Wheels are coming from Rajasthan for the occasion. **HTC**

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अख

दैनिक जागरण

आप सभी के लिए सुख और समृद्धि से भरपूर हो नववर्ष : विक्रम संवत् २०६४

जमशेदपुर, सोमवार
19 मार्च, 2007
कोलकाता संस्करण

30 से कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह

जागरण ब्यूरो, कोलकाता : 30 मार्च से 2007 से दो अप्रैल 2007 तक चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह राजस्थान की अच्छाई, वैविध्य एवं सौंदर्य को पेश करेगा। खाद्य एवं उत्सव समारोह 30 एवं 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब, रवींद्र सरोवर में एवं 1-2 अप्रैल को शरत बोस रोड पर स्थित हिंदुस्तान क्लब में आयोजित होगा। उत्सव की घोषणा राजस्थान सूचना केंद्र में राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता अध्याय द्वारा की गयी। आरंभ घोषक सूची में शामिल हैं सुमित्रा सिंह राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष, हर्षवर्द्धन नेवटिया प्रबंध निदेशक बंगाल अंबुजा एवं सदस्य गवर्निंग काउंसिल राजस्थान फाउंडेशन, एचएम बांगड़ प्रबंध निदेशक सीमेंट लि. एवं अध्यक्ष राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता, संदीप भूतोड़िया प्रबंधन निदेशक एसवी

- चार दिनों तक मिलेगी राजस्थानी संस्कृति की झलक

नेटवर्क्स प्रा.लि. एवं सचिव राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता, पीआर अग्रवाल चेयरमैन रूपा एंड कंपनी लि. अध्यक्ष भारत चेंबर आफ कामर्स एवं कोषाध्यक्ष राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता, रमेश तापड़िया अध्यक्ष बंगाल रोइंग क्लब, पवन जैन अध्यक्ष हिंदुस्तान क्लब। राजस्थान दिवस समारोह का पालन जीवन के समारोह का पुनराविष्कार है। वर्णों , संरचना एवं आकृतियों का प्राचुर्य राजस्थानी हस्तशिल्प एक ऐकान्तिक प्रदर्शन पेश करते हैं। इसमें विभिन्न डिजाइनरों की प्रदर्शनीय सामग्रियां, लोककला एवं संस्कृति, संगीत, नृत्य, मंचीय प्रस्तुतियां तत्सह पकवान शामिल है।

卐 ।। श्री हरिः ।। 卐

सन्मार्ग

कोलकाता
रविवार 18 मार्च , 2007,

राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिंह, पी आर अग्रवाल, एच एम बांगड़ और संदीप भूतोड़िया

'राजस्थान की कला ही वहां की पहचान है'

कोलकाता: राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा की स्पीकर सुमित्रा सिंह ने कहा कि राजस्थान की कला, संस्कृति, वेष भूषा, पहनावा, बोली तथा रहने का ढंग ही सभी को राजस्थान की ओर आकर्षित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के रग-रग में शौर्य और वीरता की गाथाएं दौड़ती हैं। राजस्थान की संस्कृति को बंगाल की माटी के साथ जोड़ने के लिए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता चैप्टर आगामी 30 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक राजस्थान दिवस मनाने वाला है। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि राजस्थान के निर्माण दिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम किया जायेगा जिसको पूर्णतः राजस्थान के रंग में रंगने के लिए राजस्थान से कई कलाकारों तथा खानसामों को लाया जा रहा है। इस अवसर पर भारत चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष व राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के ट्रेजरर पी.आर. अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के द्वारा राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता राजस्थान की संस्कृति को बंगाल की संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। संस्था के अध्यक्ष एच.एम बांगड़ ने बताया कि राजस्थान दिवस कार्यक्रम का आयोजन 30 व 31 मार्च 2007 को बंगाल रोइंग क्लब में होगा तथा 1 व 2 अप्रैल को हिन्दुस्तान क्लब में होगा। इस अवसर पर बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया तथा हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष पवन जैन भी मौजूद रहे।

रविवारी
विश्वमित्र
सिर्फ पन्ने नहीं ढेर स
हिन्दी का प्राचीनतम राष्ट्रीय दैनिक
पृष्ठ ८
वर्ष ९२, संख्या ७५ ● कोलकाता, चैत्र, कृष्ण १५, सम्वत् २०६३, रविवार १८ मार्च, डाक १९ मार्च २००

फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सर्वश्री हर्षवर्द्धन नेवटिया, संदीप भूतोड़िया, हरिमोहन बांगड़, राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिं
अग्रवाल, रमेश तापड़िया एवं पवन जैन।
–विश्वमित्र चित्र

महानगर में ३० मार्च से राजस्थान दिवस समारोह

कोलकाता, १७ मार्च (नि.प्र.)। राजस्थान की कला, संस्कृति एवं खानपान से बंगालवासियों को परिचित कराने के लिए राजस्थान फाउंडेशन आगामी ३० मार्च से राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन करेगा। इस दौरान लोग राजस्थान को करीब से समझ सकेंगे। आज इस आसय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने कहा कि चार दिवसीय यह आनन्द मेला राजस्थान की आत्मा का वास्तव में एक उत्साहजनक समारोह है। इसमें भाग लेने वाले राजस्थान की आलीशान एवं वैविध्यपूर्ण संस्कृति के प्रत्यक्षदर्शी बनेंगे। यह संस्कृति एक ऐसी संस्कृति है जो अनंत, सर्वकालिन व आनन्द से भरी हुई है। यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान राजस्थान विधानसभा की अध्यक्षा सुमित्रा सिंह ने राजस्थान की सभ्यता एवं संस्कृति का लोगों को परिचय दिया एवं कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजनों से दो प्रांतों की नजदिकियां बढ़ती हैं। राजस्थानी जहां भी हों इस दिवस को जरूर मनाते हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष एचएम बांगड़ ने कहा कि राजस्थान दिवस समारोह संयुक्त स्वाद का, लेकिन अतीत एवं वर्तमान के राजस्थान के बीच अंतर का अविश्वसनीय अनुभव है। फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष पीआर अग्रवाल ने भी कहा कि इस तरह के समारोह के आयोजन से राजस्थान की संस्कृति बंगाल की संस्कृति से एवं बंगाल की संस्कृति राजस्थान की संस्कृति से जुड़ेगी। इन कार्यक्रमों का आयोजन २ अप्रैल तक चलेगा। इस चार दिवसीय उत्सव में राजस्थान की अच्छाई, वैविध्य एवं सौन्दर्य को पेश किया जायेगा। खाद्य उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन ३० एवं ३१ मार्च को बंगाल रोइंग क्लब (रविन्द्र सरोवर) एवं १ एवं २ अप्रैल को शरत बोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में किया जायेगा। राजस्थान सूचना केंद्र में अपने ढंग के इस पहले अनोखे कार्यक्रम में फाउंडेशन के गवर्निंग काउंसिल हर्षवर्द्धन नेवटिया, बंगाल रोइंग क्लाब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया एवं हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष पवन जैन, श्री तिलोकचंद डागा व हिंदुस्तान क्लब के सचिव जीवराज सेठिया उपस्थित थे।

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

छपते छपते

कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित

• कोलकाता • चैत्र कृष्ण पक्ष 14 संवत् 2064 रविवार 18 मार्च 2007 (डाक 19 मार्च-2007)

राजस्थान दिवस समारोह 30 से

कोलकाता, 17 मार्च। राजस्थान की रेत के वर्णों एवं ऊष्मा का अनुभव करने के लिये अब कोलकातावासियों को राजाओं और रानियों की भूमि पर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि आने वाले दिनों में राजस्थान यहीं कोलकाता में अपने पूरे राजकीय शानो-शौकत के साथ हाजिर होगा। 30 मार्च से 2 अप्रैल तक राजस्थान दिवस समारोह मनाते हुए चार दिवसीय उत्सव राजस्थान की अच्छाई एवं वहां के सौंदर्य को पेश करेगा। खाद्य एवं उत्सव समारोह 30 एवं 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब, में एवं 1 व 2 अप्रैल को शरत बोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित होगा। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के अध्यक्ष श्री हरिमोहन बांगड़ ने आज इसकी जानकारी पत्रकारों को दी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा सिंह, बंगाल अम्बुजा गवर्नेंस काउंसिल के प्रबंध निदेशक श्री हर्षवर्द्धन नेवटिया, राजस्थान फाउंडेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया, रूपा एंड कं. लिमिटेड के चेयरमैन श्री पी. आर. अग्रवाल,

पत्रकार सम्मेलन में संदीप भूतोड़िया, हरिमोहन बांगड़, श्रीमती सुमित्रा सिंह, प्रह्लाद राय अग्रवाल एवं अन्य।

- फोटो : छपते छपते

बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष श्री रमेश तापड़िया, हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष श्री पवन जैन इस मौके पर उपस्थित थे। राजस्थान दिवस समारोह में विभिन्न डिजाइनों की प्रदर्शनीय सामग्रियां, लोककला एवं संस्कृति, संगीत, नृत्य, मंचीय प्रस्तुतियां पकवान शामिल होंगे। राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने कहा कि चार दिवसीय आनंद मेला राजस्थान की आत्मा का तत्व रूप में एवं उत्साहपूर्वक समारोह है।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता
रविवार
18 मार्च 2007

राजस्थान के कण-कण में वीरता की गाथा : सुमित्रा

कोलकाता : राजस्थान की धरती के हर कण-कण में वीरता की गाथा है व किलों व महलों में दुनिया की बेहतर सभ्यता व संस्कृति का सौरभ है.यह कहना है कि राजस्थान विधान सभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिंह का. श्रीमती सिंह आज राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर की ओर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा ले रही थी.श्रीमती सिंह ने बताया कि राजस्थान दिवस मनाने का उद्देश्य राजस्थान की जीवन शैली व सभ्यता व संस्कृति से दूसरे लोगों को जागरुक करना है. यहां राजस्थान दिवस 30 मार्च से दो अप्रैल तक मनाया जायेगा.इसमें राजस्थान के कला, सौंदर्य,जीवन शैली से अवगत कराना है.उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से राजस्थान सरकार द्वारा देश के कई राज्यों में राजस्थान चैप्टर की ओर इस मौके पर आयोजन किया जाता है.राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष एचएम बांगड़ ने बताया कि अगले साल इस समारोह को विस्तृत रूप में सॉल्टलेक में आयोजित किया जायेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को राजस्थानी जीवन शैली व लोक संस्कृति से अवगत कराया जा सके.

30 व 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब व एक व दो अप्रैल को शरतबोस रोड स्थित हिंदुस्तान क्लब में खाद्य व उत्सव का आयोजन किया जायेगा.उन्होंने समारोह में 100 कलाकारों का एक दल भी आयेगा जो इन मौके पर सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे.इस मौके पर राजस्थान के विभिन्न कलाओं की प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी.सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस आयोजन का मकसद दोनों राज्यों की संस्कृतियों को आदान प्रदान करना है.इस मौके पर पीआर अग्रवाल, हर्षवंद्धन नेवटिया, रमेश तापड़िया, पवन जैन भी उपस्थित थे.

चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह 30 से

कार्यक्रम में हर्ष नेवटिया, संदीप भूतोड़िया, एचएम बांगड, सुमित्रा सिंह, पीआर अग्रवाल व अन्य.

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता • रविवार • 18 मार्च, 2007

बरसेगा राजस्थानी संस्कृति का रंग

राजस्थान फाउंडेशन का चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह

कोलकाता, 17 मार्च (का.सं.)। राजस्थान की लोक कला, संस्कृति और खान-पान से बंगालवासियों को परिचित कराने के लिए चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर का यह समारोह 30 मार्च से 2 अप्रेल तक चलेगा। शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि राजस्थान का यह स्थापना दिवस जयपुर में 10 दिन तक मनाया जाएगा। इस उत्सव को राजस्थान के अलावा बाहर के राज्यों में राजस्थान फाउंडेशन के जरिए मनाया जाता है। कोलकाता चैप्टर का यह कार्यक्रम इसी का एक अंग है, जो यहां तीसरी बार आयोजित किया जा रहा है। भूतोड़िया ने बताया कि 30 व 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब, रवींन्द्र सरोवर और 1 व 2 अप्रेल को हिन्दुस्तान क्लब, सरत बोस रोड में राजस्थान दिवस समारोह आयोजित होगा। समारोह में राजस्थानी फूड और नृत्य की झांकी सजाई जाएगी। संवाददाता सम्मेलन को राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने भी सम्बोधित किया। सिंह ने पत्रकारों को बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य बंगाल के कला और व्यंजन प्रेमियों को एक नई कला संस्कृति, व्यंजन से रूबरू कराना है। कहीं का नाच तो कहीं का खाना। कहीं की हस्त कला तो कहीं के लोक गीत। राजस्थान उत्सव के माध्यम से हम अपनी इन विशेषताओं को देश के कोने-कोने तक पहुंचाते हैं। समारोह में धोरा री धरती राजस्थान के जाने माने शैफ अपनी पाक कला का स्वाद चखाएंगे। लोक कलाकार अपने गीत, नृत्य और संगीत का जादू बिखेरेंगे। इसके साथ ही उत्सव में राजस्थान की हस्त कला, पर्यटन और ट्यूरिजम के स्टॉल भी होंगे। पत्रकारों को बंगाल अंबुजा के प्रबंध निदेशक हर्षवर्द्धन नेवटिया, श्री सीमेन्ट के प्रबंध निदेशक और फाउंडेशन के अध्यक्ष एच. एम. बांगड़, रूपा एण्ड कम्पनी के चेयरमैन पी. आर. अग्रवाल, बंगाल रोइंग क्लब के अध्यक्ष रमेश तापड़िया और हिन्दुस्तान क्लब के अध्यक्ष पवन जैन ने संबोधित किया।

संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करतीं सुमित्रा सिंह। साथ में हैं, हर्ष नेवटिया, संदीप भूतोड़िया, हरिमोहन बांगड़, पी.आर. अग्रवाल और रमेश तापड़िया। पत्रिका

THE FINANCIAL EXPRESS
ON SUNDAY

KOLKATA
SUNDAY
MARCH 18
2007

Rajasthan festival in city from March 30

Our Bureau
Kolkata, Mar 17

A four-day Rajasthan festival from March 30 to April 2 will be held in Kolkata on the occasion of Rajasthan Day. The festival will showcase the culture of Rajasthan which will include food, music and handicrafts.

The first two days of the festival will be held at Bengal Rowing Club, and the next two at Hindustan Club.

Sumitra Singh, the speaker of Rajasthan state assembly, said, "In 1949, Rajasthan was formed when 22 princely states agreed to come together. The festival will showcase the Rajasthani culture that as people from Rajasthan we all are proud of."

Cuisine from Bikaner, Jodhpur and Mewar will be available

Cuisines from Bikaner, Jodhpur and Mewar will be available. Though there will be no entry charges for the members of the clubs, for guests, it will be Rs 50 per person.

Sundeep Bhutoria, the secretary of Rajasthan foundation, said, "The festival will bring the people of Bengal and Rajasthan closer through the understanding of each other's culture."

Bhutoria said the foundation will send 2000 invitations to non-Rajasthani people.

COVERAGE OF

PRESS CONFERENCE

IN

RAJASTHAN DAILIES

Rajasthan Diwas : State's glimpses in Kolkata

HT Live Correspondent

WHILE THE State witnesses gala celebrations on the occasion of Rajasthan Diwas, its community in the faraway State of West Bengal is preparing to mark its own celebrations of the desert State's foundation day. The Rajasthan Foundation's Kolkata chapter will be organising a four-day festival to celebrate Rajasthan's arts and culture with the community in West Bengal.

For the third year in a row, the Rajasthan Foundation will organise a festival that coincides with the Rajasthan Diwas celebrations back home. Beginning March 30, the festival will feature Rajasthani folk arts and crafts and introduce the Bengali community with the Rajasthani way of life.

"A large section of domestic tourists in Rajasthan come from West Bengal, because of their interest in the arts and culture here. Showcasing what Rajasthan has to offer can further give a boost to tourism in the State," informed Sandeep Bhutaria, the secretary of the Kolkata chapter, who was in Jaipur on Saturday.

RAJASTHAN FOUNDATION

Bhutaria said that while performances of the Langas, Manganiyars and Kalbeliya dancers were common in Kolkata, the foundation thought of presenting a different flavour of Rajasthan this year. Thus, there will be traditional performances of the Nat-natni, Algoza and Kuchamani storytellers. Sixty-five folk artistes from 11 different troupes will be sent by the Rajasthan government to perform at the festival. At the same time, the buffet will move over from Dal Bati Choorma to Mewari, Bikaneri, Jodhpuri and Jaipuri cuisine. Paritosh Mandal from Gangaur, Omkar Singh from Ghoomar and P Adhikari from Heritage on Wheels will be there to present the Rajasthani cuisine.

Last year, Bengali actress Rituparna Sengupta had performed traditional Rajasthani dances on the occasion of the Rajasthan Diwas celebrations in Kolkata.

Publication : *Hindustan Times (HT Live Jaipur)*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *New Delhi*
Page : *3*

कोलकाता में राजस्थान दिवस 30 से

राजस्थान की लोक कला, संस्कृति और खान-पान से बंगालवासियों को परिचित कराने के लिए कोलकाता में 30 मार्च से चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह मनाया जाएगा। जयपुर से करीब 70 फोक आर्टिस्ट समारोह में कला का प्रदर्शन करेंगे।

सिटी रिपोर्टर

तीन साल से मनाए जा रहे राजस्थान दिवस समारोह में इस बार चार दिन तक शहर के विभिन्न क्लब हाउसेज में राजस्थानी फूड और क्राफ्ट फेयर लगाया जाएगा।

राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के सेक्रेट्री संदीप भूतोड़िया ने जयपुर में पत्रकारों को बताया कि समारोह के माध्यम से दोनों प्रांतों को कल्चरल तौर पर करीब लाने का प्रयास किया जा रहा है।

जयपुर के बाद कोलकाता में ही सबसे अधिक राजस्थानी रहते हैं। वहां इस फेस्टिवल को पूरी गरिमा के साथ मनाया जाता है। खान-पान और कल्चर से जोड़ने के लिए बीते कुछ साल से इसे अब बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

भूतोड़िया ने बताया कि पिछले साल इस उत्सव पर करीब 20 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। इस दौरान 30 और 31 मार्च को बंगाल राइंग क्लब व एक और दो अप्रैल को शरतचंद्रबोस रोड स्थित हिंदुस्तान क्लब में फूड फेस्टिवल मनाया जाएगा। जयपुर से जाने वाले फोक आर्टिस्ट कालबेलिया, लंगा मांगणियार और भपंग वादन करेंगे।

Publication : *City Bhaskar (Dainik Bhaskar)*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *26*

कोलकाता में समारोह 30 से

राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता चैप्टर की ओर से कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह 30 मार्च से शुरू होगा। फाउण्डेशन के कोलकाता चैप्टर सचिव संदीप भूतोड़िया के अनुसार 2 अप्रेल तक होने वाले समारोह के तहत 30 व 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब रवीन्द्र सरोवर में एवं 1 व 2 अप्रेल को शरत बोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में कार्यक्रम होंगे।

Publication : *Rajasthan Patrika*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *8*

बंग भूमि पर साकार होगी राजस्थानी संस्कृति

जयपुर, 24 मार्च। कोलकाता में 30 मार्च से शुरू होने वाले चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह में बंग भूमि पर राजस्थान की कला एवं संस्कृति की झलक दिखेगी। राजस्थान फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के सहयोग से आयोजित समारोह में पर्यटन विभाग 65 कलाकारों को भेजेगा। यह जानकारी फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दी। भूतोड़िया ने बताया कि कोलकाता में पिछले तीन सालों से इस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस बार समारोह को मेले का रूप दिया गया है। राज्य के विभिन्न अंचलों के खाने और लोकसंस्कृति को साकार किया जाएगा। राजस्थान के विभिन्न अंचलों के लजीज व्यंजनों के लिए जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और मेवाड़ी व्यंजनों के बुफे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में नट-नटनी, अलगोजा, कुचामनी कहानीकार जैसे मरूभूमि की संस्कृति के कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। समारोह में सरला बिरला को इस बार का प्रवासी प्रतिभा पुरस्कार दिया जाएगा। कोलकाता में इस बार दो अलग-अलग जगह समारोह आयोजित किया जाएगा। 30 व 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब में और 1 व 2 अप्रैल को हिंदुस्तान क्लब में समारोह का आयोजन किया जाएगा। भूतोड़िया ने कहा कि समारोह में इस बार बंगाल के बुद्धिजीवियों और लेखकों को भी बुलाया जाएगा। राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन इस तरह से किया जाएगा ताकि कोलकाता के लोग यह जान सके कि राजस्थानी आर्थिक दृष्टि से ही नहीं सांस्कृतिक दृष्टि से भी समृद्ध है।

संदीप भूतोड़िया

Publication : *Dainik Navjyoti*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *2*

कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह तीस से

जयपुर। कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह 30 मार्च से 2 अप्रैल तक मनाया जायेगा। राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता अध्याय के सचिव संदीप भूतोडिया ने आज यहां पत्रकारों को बताया कि समारोह में इस बार राजस्थान से 65 लोक कलाकार कोलकाता भेजे जायेंगे।

Publication : *Rashtradoot*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *7*

कोलकाता में भी राजस्थान दिवस समारोह

जयपुर, 24 मार्च (कासं)। राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता चैप्टर के 30 मार्च से कोलकाता में शुरू होने वाले चार दिवसीय राजस्थान दिवस समारोह में इस बार न सिर्फ राज्य के नृत्य कलाकार अपनी छटा बिखेरेंगे बल्कि राजस्थान के कई प्रसिद्ध व्यंजन भी परोसे जाएंगे।

समारोह में राज्य सरकार की ओर से 65 लोककलाकारों को भेजा जा रहा है। राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता चैप्टर के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि 30 व 31 मार्च का कार्यक्रम कोलकाता के बंगाल रोइंग क्लब तथा 1,2 अप्रेल को शरतचन्द्र बोस रोड स्थित हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित किया जाएगा।

समारोह में राज्य के कलाकारों द्वारा तैयार की गई हस्तशिल्प की वस्तुएं तथा राजस्थानी चित्रकारी युक्त कपड़ों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। संस्था कोलकाता में तीन वर्ष से राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन कर रही है। समारोह में राज्य के कलाकारों द्वारा तेरह ताल, भवई नृत्य, कालबेलिया, कुचामनी ख्याल, चकरी नृत्य एवं लांगा समूह नृत्य का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा एक नाटक का मंचन किया जाएगा। समारोह में राज्य के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद चखाने के लिए होटल गणगौर के कुक परितोष मंडल, धूमर होटल के ओंकारसिंह एवं हेरिटेज ऑन व्हील्स के पी अधिकारी को बुलाया गया है।

Publication : *Mahaka Bharat*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *5*

कोलकाता में भी होगा राजस्थान दिवस समारोह

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

राजस्थान की लोककला, संस्कृति और खान-पान से कोलकाता के लोगों को रूबरू कराया जाएगा। राजस्थान फाउण्डेशन कोलकाता की ओर से तीस मार्च से दो अप्रैल तक राजस्थान दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है।

फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि कोलकाता में होने वाले इस चार दिवसीय समारोह में राजस्थान के 65 कलाकार अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। तीस और 31 मार्च को बंगाल रोइंग क्लब में प्रथम बार जोधपुरी-बीकानेरी व्यजंन देखने को मिलेंगे। इसके लिए राजस्थान से होटल गणगौर और घूमर के शैफ कोलकाता पहुंच रहे हैं। रूड़ा की ओर से हैण्डीक्राफ्ट आइटम होंगे। वहीं नाथद्वारा की मीनाकारी, बीबी रानी की कोटा डोरिया की साड़ी, चांदी की कलाकृतियों का काम, राजस्थली के हैण्डीक्राफ्ट आकर्षण के केन्द्र होंगे।

Publication : *Daily News*
Date : *Sunday, March 25, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *2*

कोलकाता में दिखेगी राजस्थानी संस्कृति

जयपुर. विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने कोलकाता में राजस्थान दिवस समारोह के तहत 4 दिन तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

विधानसभाध्यक्ष ने कोलकाता स्थित राजस्थान सूचना केंद्र में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में बताया कि कार्यक्रम राजस्थान फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान कला, संस्कृति, आतिथ्य एवं परंपराओं के लिए जाना जाता है। यह आन-बान-शान पर मर मिटने वालों की भूमि है।

इसी संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए राजस्थान फाउंडेशन द्वारा राजस्थान दिवस पर कोलकाता में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। फाउंडेशन के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि समारोह 30 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित होगा।

Publication : *Dainik Bhaskar*
Date : *Monday March, 19, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *16*

राजस्थान दिवस समारोह कोलकाता में मनेगा

नवज्योति ब्यूरो

जयपुर, 18 मार्च। राज्य विधानसभाध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने शनिवार को कोलकाता स्थित राजस्थान सूचना केन्द्र में राजस्थान फाउन्डेशन कोलाकाता की धरती पर मनाए जाने वाले चार दिवसीय कार्यक्रम की विधिवत घोषणा की।

फाउण्डेशन द्वारा आयोजित पत्रकार-वार्ता को सम्बोधित करते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम 30 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान कला, संस्कृति, आतिथ्य व परम्पराओं के लिए जाना जाता है। राजस्थान वीरों की भूमि, आन, बान और शान पर मर मिटने वालों की भूमि है। राजस्थान की इस संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा राजस्थान दिवस पर कोलकाता में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। सिंह ने कहा कि उन्हें राजस्थान का निवासी होने पर गर्व है। राजस्थान के इतिहास तथा निर्माण की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि वाइस रियासतों के मेल से आज का राजस्थान के निर्माण 21 मार्च 1949 को हुआ था।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि प्रदेश के बाहर भी प्रवासी राजस्थानी राजस्थान दिवस मनाते हैं। श्रीमती सिंह ने राजस्थान की नृत्य, गीत, सावन के झूले व खानपान के बारे में पत्रकारों को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बंगाल अम्बूजा के प्रबन्ध निदेशक और राजस्थान फाउण्डेशन की गवर्निंग काउन्सिल के सदस्य हर्षवर्धन नेवटिया, प्रबन्ध निदेशक श्री सीमेन्ट लिमिटेड व अध्यक्ष राजस्थान फाउण्डेशन एच.एम. बांगड़, प्रबन्ध निदेशक एसबी नेट वर्क्स व सचिव राजस्थान फाउण्डेशन संदीप भूतोड़िया, चेयरमैन रूपा एण्ड कम्पनी लिमिटेड व कोषाध्यक्ष राजस्थान फाउण्डेशन पी.आर. अग्रवाल, अध्यक्ष बंगाल रोइंग क्लब रमेश तापड़िया, अध्यक्ष हिन्दुस्तान क्लब पवन जैन उपस्थित थे।

सुमित्रा सिंह ने की घोषणा

ये होंगे कार्यक्रम

तीस व इकतीस मार्च को खाद्य व उत्सव समारोह का आयोजन बंगाल रोइंग क्लब द्वारा रविन्द्र सरोवर में। एक व दो अप्रेल को शरत बोस रोड पर हिन्दुस्तान क्लब द्वारा भी खाद्य व उत्सव समारोह होगा। कार्यक्रम में बीकानेरी, जोधपुरी और मेवाड़ी भोजन परोसा जाएगा। डिजाइनरों की प्रदर्शनियां, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, लोककला व संस्कृति, गीत, संगीत, नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुलाकात बंगाल विधानसभाध्यक्ष से

विधानसभाध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने बंगाल विधानसभा में शनिवार को विधानसभाध्यक्ष हासिम अब्दुल हलिम से मुलाकात की। सिंह ने विधानसभा के अध्यक्ष को राजस्थान विधानसभा के इतिहास व परम्पराओं से अवगत कराया।

Publication : *Dainik Navjyoti*
Date : *Monday, March 19, 2007*
Edition : *Jaipur*
Page : *5*